



INS ACCREDITED

यूनिक्ॉम  
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com  
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूजनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक् समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-  
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweety

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-235 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | [www.facebook.com/uniquesamay](https://www.facebook.com/uniquesamay) | [X.com/Theuniquesamay](https://x.com/Theuniquesamay) | [www.linkedin.com/in/uniquesamay](https://www.linkedin.com/in/uniquesamay)

Happy  
Dussehra

श्रद्धापूर्वक स्मरण

20 अक्टूबर, 2026

Sweety  
BY  
MR  
GROUP

ब्रज के प्रमुख उद्योगपति, समाजसेवी  
एवं ग्रहस्थ संत  
हमारे पूज्य  
श्री सुरेश चंद्र अग्रवाल जी  
(सुपारी वालो) की



SHRI SURESH CHANDRA AGARWAL

75 वीं जयन्ती  
के पावन अवसर पर  
श्रद्धापूर्ण नमन

आज आपके आशीर्वाद से,  
हम उसी पावन यात्रा को आगे बढ़ाने का  
प्रयास कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत  
आपने अपने संकल्प, कर्म और  
दूरदृष्टि से की थी।

कदम हमारे हैं,  
पर राह आपकी है।

आपके संकल्प हमारी राह हैं,  
आपकी विरासत हमारी पहचान है,  
और आपका आशीर्वाद  
हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

Sweety  
Supari

Sweety  
MOUTH FRESHENERS



WINGSTON  
Mathura / Goverdhan / Barsana

Shri Girraj Supari Traders LLP

[shop.sweetybymrgroup.com](https://shop.sweetybymrgroup.com) | [info@mrgroup.co.in](mailto:info@mrgroup.co.in) | +91 9897004000 | [facebook](https://www.facebook.com/sweetybymrgroup) | [instagram](https://www.instagram.com/sweetybymrgroup) | [linkedin](https://www.linkedin.com/company/sweetybymrgroup) | [sweetybymrgroup](https://www.sweetybymrgroup.com)

STATUTORY WARNING : CHEWING OF SUPARI IS INJURIOUS TO HEALTH



INS ACCREDITED

यूनिक्कॉम  
एडवर्टाइजिंग

Email: info@unicomadvertising.com  
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक्क समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त-134220  
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

Sweet's

BY

MR

GROUP

Presents

Unique Samay Update

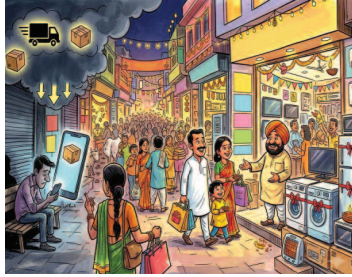
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-235 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, सोमवार, 19 अक्टूबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपये | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

## ऑनलाइन कंपनियों को बाजार में दुकानदारों की सीधी चुनौती

छूट-कैशबैक का दांव  
नौ-कॉस्ट ईएमआई से  
ग्राहकों को लुभाने की होड़

फ्रिज-वॉशिंग मशीन से हीटर  
तक सजे शोरूम, त्योहार पर  
बढ़ी खरीदारी



**यूनिक्क समय, मथुरा।** त्योहार पर खरीदारी की रौनक के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में ऑनलाइन कंपनियों और स्थानीय दुकानदारों के बीच मुकाबला तेज हो गया है। ऑनलाइन छूट और ऑफर के दम पर ग्राहकों को खींचने वाली कंपनियों को जवाब देने के लिए स्थानीय कारोबारियों ने भी पूरी तैयारी कर ली है। शोरूम

पर कैशबैक, बैंक डिस्काउंट, नो-कॉस्ट ईएमआई और मुफ्त इंस्टॉलेशन जैसी सुविधाएं देकर ग्राहकों को लुभाया जा रहा है। दुकानदारों की कोशिश है कि ग्राहक मोबाइल पर सामान देखने के बजाय बाजार पहुंचें और खरीदारी का सौदा यहीं तय करें।

त्योहारों के शुभ मुहूर्त में घर के लिए नया सामान खरीदने की परंपरा बाजार को रफ्तार दे

### सामान पर रखने की सुविधा से स्थानीय बाजार को आस

ऑनलाइन खरीदारी में तस्वीर और विवरण देखकर सामान चुनना पड़ता है, जबकि शोरूम पर ग्राहक उत्पाद को सामने देखकर उसकी गुणवत्ता, आकार, फीचर्स और कीमत की जानकारी ले सकते हैं। पसंद आने पर सामान तुरंत साथ ले जाने की सुविधा भी मिलती है। दुकानदारों का मानना है कि डिलीवरी का इंतजार न करना पड़े और खरीदारी के समय सीधे बातचीत कर शंकाओं का समाधान हो जाए, तो ग्राहक स्थानीय बाजार को तरजीह देते हैं। इसी भरसे और ऑफर के सहारे कारोबारी त्योहारी सीजन में ऑनलाइन कंपनियों को टक्कर देने में जुटे हैं।

### ऑनलाइन जैसा ऑफर, बाजार में हाथों-हाथ सामान

कारोबारी रोहित अग्रवाल का कहना है कि अब ग्राहकों को ऑनलाइन खरीदारी के लिए आकर्षित करने वाले ऑफर शोरूम पर भी दिए जा रहे हैं। विभिन्न बैंकों के क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर नो-कॉस्ट ईएमआई और अतिरिक्त 10 से 15 प्रतिशत तक इंस्टेंट कैशबैक के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ मुफ्त इंस्टॉलेशन और होम डिलीवरी की सुविधा भी दी जा रही है। कारोबारी सुगम गुप्ता के अनुसार, कई उत्पादों की कीमत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के बराबर या उससे कम रखने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, छूट और कैशबैक संबंधित उत्पाद और बैंक की शर्तों पर निर्भर करते हैं।

रही है। सुबह से शाम तक इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम पर खरीदार पहुंच रहे हैं। सर्दी के मौसम को देखते हुए कारोबारियों ने फ्रिज, ऑटोमेटिक और

सेमी-ऑटोमेटिक वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, वाटर हीटर और रूम हीटर का स्टॉक जुटा रखा है। ग्राहकों को अलग-अलग कंपनियों

के मॉडल और कीमतों में से अपनी जरूरत के मुताबिक चुनाव करने का मौका मिल रहा है।

## नहीं लगाने पड़ेंगे कोषागार के चक्कर घर बैठे जमा करें जीवन प्रमाणपत्र

स्मार्टफोन से डिजिटल  
प्रमाणपत्र बनाने की  
सुविधा, पेंशनभोगियों को  
मिलेगी राहत

राहत: आधार फेस आरडी  
और जीवन प्रमाण ऐप से  
पूरी होगी प्रक्रिया

**यूनिक्क समय, मथुरा।** कोषागार से पेंशन प्राप्त कर रहे पेंशनभोगियों के लिए राहत भरी खबर है। अब वार्षिक जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए उन्हें कोषागार के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। पेंशनभोगी अपने स्मार्टफोन के माध्यम से घर बैठे ही डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाकर जमा कर सकते हैं। इससे समय और मेहनत दोनों की बचत होगी।

वरिष्ठ कोषाधिकारी ने सभी पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनरों से अपील की है कि वे अपने वार्षिक जीवन प्रमाणपत्र की समय सीमा का ध्यान रखें और निर्धारित अवधि में

### ऐसे बनाएं घर बैठे डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र

डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने के लिए सबसे पहले स्मार्टफोन में आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करें। इसके बाद जीवन प्रमाण ऐप खोलकर आधार संख्या दर्ज करें। फिर आधार से लिंक मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी भरें। मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी दर्ज कर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करें। इसके बाद चेहरे की पहचान यानी फेस ऑथेंटिकेशन की प्रक्रिया पूरी करके डिवाइस का पंजीकरण करें। प्रक्रिया पूरी होने के बाद डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र तैयार किया जा सकता है। पेंशनभोगियों को सलाह दी गई है कि वे प्रमाणपत्र जमा करने की समय सीमा का विशेष ध्यान रखें, ताकि पेंशन प्राप्त करने में किसी तरह की पेशानी न हो।

डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनवाकर प्रस्तुत करें। प्रमाणपत्र बनाने के लिए पेंशनरों को अपने स्मार्टफोन के प्ले स्टोर से आधार फेस आरडी और जीवन प्रमाण ऐप डाउनलोड करना होगा।

15 दिन से मिलों से आपूर्ति  
प्रभावित, थोक कारोबारियों  
को नहीं मिल रहा पर्याप्त माल

मिठाई-पकवान की तैयारी  
पर महंगाई की मार, बिगड़ने  
लगा रसोई का बजट

**यूनिक्क समय, मथुरा।** त्योहार से पहले चीनी की कीमतों में उछाल ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। करीब 10 दिन पहले 50 रुपये किलो बिकने वाली चीनी अब 60 से 62 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। कीमतों में बढ़ोतरी के साथ बाजार में आपूर्ति का संकट भी गहराने लगा है। थोक कारोबारियों को मांग के मुकाबले पर्याप्त माल नहीं मिल रहा है। इसका असर खुदरा दुकानदारों से लेकर घरेलू



रसोई तक दिखाई देने लगा है। त्योहारों पर मिठाई और पकवान बनाने की तैयारी कर रहे परिवारों का बजट बिगड़ रहा है।

कारोबारी बंशी गर्ग ने बताया कि पहले चीनी मिल से नियमित आपूर्ति होती थी, लेकिन करीब 15 दिनों से चीनी नहीं मिल रही है। अब दूसरे जिलों की मिलों से माल मंगाना पड़ रहा है।

इसके बावजूद तीन से चार दिन इंतजार करने पर भी गाड़ी नहीं मिल पा रही है। पहले 300 क्वंटल चीनी की

### आपूर्ति घटी तो थोक बाजार में बढ़े दाम

किराना व्यवसायी सुनील अग्रवाल ने बताया कि माल की कमी के कारण ज्यादातर थोक विक्रेता चीनी उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। जिन कारोबारियों के पास स्टॉक है, वे बढ़ी कीमतों पर बिक्री कर रहे हैं। ऐसे में सभी दुकानदारों को नियमित आपूर्ति करना मुश्किल हो रहा है। होलीगेट के दिनेश अग्रवाल ने बताया कि पिछले दिनों चीनी के दाम घटे थे, लेकिन फिर तेजी आ गई है। ग्राहक पुरानी कीमत पर चीनी मांगते हैं, जबकि थोक बाजार में महंगा माल मिलने के कारण खुदरा दुकानदारों को भी कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं।

### त्योहार की मिठास पर महंगाई का असर

चीनी के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर भी असर पड़ रहा है। वंदना चतुर्वेदी ने बताया कि त्योहारों पर घर में मिठाई और पकवान बनाने के लिए चीनी की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में कीमतें बढ़ने से रसोई का बजट बिगड़ रहा है। राधानगर की गौरी सिंह ने कहा कि चीनी जैसी जरूरी वस्तु के दाम अचानक बढ़ने से घरेलू खर्च का हिसाब बदलना पड़ता है। त्योहारों के दौरान जरूरी खाद्य पदार्थों की आपूर्ति सामान्य रहनी चाहिए, ताकि आम लोगों को महंगाई का अतिरिक्त बोझ न उठाना पड़े।

एक गाड़ी दो से तीन दिन में बिक जाती थी, लेकिन पिछले पांच-छह दिनों से नई खेप नहीं आई है।

कारोबारियों को जरूरत के मुकाबले तीन-चार बोरी ही मिल पा रही हैं।

## खेती के प्रमुख सीजन में मजदूरों की उपलब्धता पर जोर

## 60 दिन टप रहेंगे वीबी जीरामजी के काम

धान रोपाई, कटाई और  
गेहूं की बोआई के लिए  
तय अवधि

**यूनिक्क समय, मथुरा।** खेती-किसानी के प्रमुख सीजन में खेतों में मजदूरों की उपलब्धता बनाए रखने के लिए शासन ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में वीबी जीरामजी के कार्यों पर कुल 60 दिनों तक रोक लगाने का निर्णय लिया है। इस अवधि में ग्राम पंचायतों में न तो नए कार्यों को स्वीकृति दी जाएगी और न ही काम शुरू कराए जाएंगे। शासन ने कृषि कार्यों की समय-सारिणी में भी



बदलाव किया है, ताकि खेती के जरूरी काम समय पर पूरे हो सकें।

शासन ने कृषि कार्यों के लिए तीन अवधियां निर्धारित की हैं। पहली अवधि एक से 20 जुलाई तक धान की रोपाई के लिए तय की गई है।

दूसरी अवधि में धान की कटाई

### काम की मांग की गणना में नहीं जुड़ेंगे दिन

वीबी जीरामजी के उपायुक्त विजय कुमार पांडेय ने बताया कि निर्धारित अवधि को काम की मांग के लिहाज से शून्य अवधि माना जाएगा। इन दिनों को काम की मांग की गणना में शामिल नहीं किया जाएगा। इस अवधि में बेरोजगारी भत्ते का लाभ भी नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि शासन का उद्देश्य कृषि सीजन में मजदूरों की कमी रोकना और खेती से जुड़े जरूरी कार्यों को समय पर पूरा कराना है। इसी के तहत धान की कटाई और गेहूं की बोआई की समय-सारिणी में बदलाव किया गया है।

और गेहूं की बोआई के लिए पहले 15 अक्टूबर से पांच नवंबर तक का समय निर्धारित था।

इसमें बदलाव करते हुए अब एक से 20 नवंबर तक की अवधि तय की

गई है। वहीं, गेहूं की कटाई के दौरान एक से 20 अप्रैल तक वीबी जीरामजी के काम बंद रहेंगे। इन तीनों अवधियों को मिलाकर कुल 60 दिन कामकाज नहीं होगा।

## बुधवार सुबह नौ बजे से खुलेंगे परिषदीय विद्यालय

**यूनिक्क समय, मथुरा।** जिले के परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कपोजित विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव किया गया है। अब 21 अक्टूबर से सभी परिषदीय विद्यालय सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे।

बीएसए रतन कीर्ति ने इस संबंध में आदेश जारी कर निर्धारित समय-सारिणी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बीएसए कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार, इससे पहले अत्यधिक गर्मी और उमस को देखते हुए छात्रहित में विद्यालयों का समय सुबह आठ बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया था। वहीं, शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को दोपहर दो बजे तक विद्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय

शिक्षकों को शिक्षण अवधि से 15 मिनट पहले पहुंचना होगा : बीएसए

कार्यों का संपादन करने के निर्देश दिए गए थे। वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए अब शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए जारी एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों के संचालन का समय निर्धारित किया गया है। यह व्यवस्था 21 अक्टूबर से 31 मार्च तक लागू रहेगी। बीएसए ने कहा कि शिक्षक शिक्षण अवधि शुरू होने से 15 मिनट पहले विद्यालय पहुंचें और शिक्षण कार्य समाप्त होने के बाद कम से कम 30 मिनट तक विद्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय कार्य करेंगे।

# तीन पीढ़ियों से रावण बना रहे छोटे खान, चौथी पीढ़ी भी तैयार



रामलीला मैदान महाविद्या कॉलोनी में दशहरा के लिए तैयार किए गए रावण और कुंभकर्ण के मुखौटे।



दहन के लिए पुतले तैयार करता कारीगर।

**यूनिक समय, मथुरा।** कान्हा की नगरी में विजयादशमी पर रावण दहन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंगलवार को आतिशबाजी के बीच 70 फुट ऊंचे रावण और 60 फुट ऊंचे अहिरावण के पुतलों का दहन किया जाएगा। इन विशालकाय पुतलों को तैयार करने वाले छोटे खान का परिवार तीन पीढ़ियों से इस हुनर को सहेज रहा है। अब चौथी पीढ़ी भी खानदानी विरासत को आगे बढ़ाने में जुटी है।

बांस, रंग-बिरंगे कागज और सुतली से तैयार होने वाले रावण और अहिरावण के पुतले दशहरा मेले में

**200 बांस से आकार लेते हैं 80 फुट के दशानन, डेढ़ माह में बनते पुतले**

**मथुरा से वृंदावन तक मांग, पुतले बनाना परिवार के लिए भगवान की सेवा**

आकर्षण का केंद्र बनते हैं। कारीगर छोटे खान ने बताया कि दोनों पुतलों को तैयार करने में करीब डेढ़ माह का समय लगता है।

इनके निर्माण में लगभग 200 बांस

इस्तेमाल होते हैं। अकेले रावण के पुतले में 110 बांस और करीब 300 किलोग्राम कागज लगता है। इसके बाद रंगीन कागज और सजावटी सामग्री से पुतले को आकर्षक रूप दिया जाता है।

छोटे खान के मुताबिक, हर साल 10 से 12 पुतले तैयार किए जाते हैं। इनके निर्माण में 10 से 12 कारीगर जुटते हैं। पुतले बनाने की दर करीब दो हजार रुपये प्रति फुट है। मथुरा के अलावा महावन, गोकुल, सदर, कृष्णानगर और वृंदावन सहित आसपास के क्षेत्रों में भी उनके यहां से पुतले भेजे जाते हैं।

उन्होंने बताया कि उनके पिता मुगल खान और दादा भी इसी काम से जुड़े थे। परिवार में पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह हुनर आगे बढ़ता रहा है। अब चौथी पीढ़ी भी इस परंपरा को संभाल रही है। छोटे खां कहते हैं कि उनके लिए यह काम केवल कमाई का जरिया नहीं, बल्कि भगवान की सेवा है। दशहरा

**रोजगार नहीं भगवान की सेवा मानता है परिवार**



छोटे खान

जाहिद

**यूनिक समय, मथुरा।** दशहरा नजदीक आते ही छोटे खान के परिवार में काम की रफ्तार बढ़ जाती है। बांस, कागज और सुतली से विशालकाय पुतलों को आकार देने में पूरा परिवार जुट जाता है। परिवार के सदस्य जाहिद खां ने बताया कि उनके दादा और पिता मुगल खान ने इस कला को अपनाया और अब चौथी पीढ़ी भी इसे आगे बढ़ा रही है। जाहिद के मुताबिक, रावण के पुतले में करीब 110 बांस लगाए जाते हैं। मथुरा सहित आसपास के क्षेत्रों में इन पुतलों की मांग रहती है। परिवार की कोशिश है कि आने वाली पांचवीं पीढ़ी भी इस हुनर को सीखे और परंपरा को जीवित रखे। उनके लिए रावण के पुतले बनाना महज रोजगार नहीं, बल्कि भगवान की सेवा और खानदानी जिम्मेदारी निभाने का माध्यम है।

उत्सव के लिए पुतले तैयार करने से उन्हें खुशी मिलती है।

**फसल काटने के आरोप में चार पर मुकदमा**

**यूनिक समय, मथुरा।** गोवर्धन थाना क्षेत्र में खेत से बाजरे की फसल काटने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। राजकीय क्वार्टर रांच बांगर, रिफाइनरी निवासी महीपाल ने शिकायत में बताया कि उन्होंने करीब साढ़े तीन बीघा खेत में बाजरा बोया था। आरोप है कि 15 अक्टूबर की सुबह खेत में खड़ी फसल काट ली गई। शिकायत में भरत सिंह, अमित, पप्पू और राजाचरण को नामजद किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**Aakash CIMS**  
Super Speciality Hospitals  
मथुरा बूज में पहली बार  
India's Most Advanced

## CRRT

(निरन्तर किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी)  
(Continuous Renal Replacement Therapy)

किडनी मरीजों का विश्वस्तरीय इलाज, आकाश सिम्स हॉस्पिटल में

डायरेक्टर एवं वरिष्ठ सलाहकार,  
नेफ्रोलॉजी एवं डायलिसिस विभाग  
**डॉ. आशीष शर्मा**  
MBBS, DNB, Fellow Nephrology, IIRAV Italy  
वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ

CRRT के लाभ  
BENEFITS OF CRRT  
CRRT उन गंभीर मरीजों के लिए सबसे उपयुक्त है जिनकी किडनी ने काम करना बंद कर दिया हो या जिनके शरीर से विषैले पदार्थ, अतिरिक्त पानी और विषैले तत्वों को हटाने के लिए निरन्तर उपचार की आवश्यकता होती है।  
यह किस-किस स्थिति में मदद करता है?

- Uremia
- Fluid overload
- Acidosis
- Electrolyte imbalance
- Drug toxicity
- Brain injury
- Poisoning
- Liver failure
- Lung failure
- Heart failure
- Other multi-organ failure

**Call Connect +91-9258113570, 9258113571**  
टीपीए, हेल्थ इंश्योरेंस एवं बीमा कम्पनियाँ द्वारा कैंडलेस इलाज उपलब्ध  
आकाश सिम्स हॉस्पिटल, निकट राधावैली, एन.एच.19, मथुरा

## 80 फुट के रावण का होगा दहन, ड्रोन से पुष्पवर्षा



रामलीला मैदान में दशहरा के लिए व्यवस्थाएं देखते पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** दशहरा मेले और रावण वध को लेकर श्री रामलीला सभा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सभा के पदाधिकारियों ने रामलीला मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आयोजन को आकर्षक बनाने के निर्देश दिए। इस बार मेले में 80 फुट ऊंचे रावण के और 65 फुट ऊंचे अहिरावण के पुतलों का दहन होगा। वहीं, ड्रोन से पुष्पवर्षा और इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल आतिशबाजी दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनेगी।

सभा के महामंत्री मूलचन्द गर्ग ने बताया कि रामलीला मैदान में राम-रावण युद्ध के मंचन के लिए 12 फुट ऊंचा, 80 फुट लंबा और 120 फुट चौड़ा मंच तैयार किया गया है। मेले को भव्य स्वरूप देने के लिए मैदान में चारों ओर सजावट कराई जा रही है। दर्शकों के बैठने के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है, ताकि लोग सुविधापूर्वक आयोजन देख सकें।

दशहरा मेला मंत्री अजयकांत गर्ग ने बताया कि शिवाकाशी, भरतपुर और दिल्ली के आतिशबाज आकर्षक आतिशबाजी का प्रदर्शन करेंगे। इसके साथ इलेक्ट्रॉनिक डिजिटल आतिशबाजी भी विशेष

**रामलीला मैदान में दशहरा मेले की तैयारियां तेज, भव्य आतिशबाजी बनेगी आकर्षण**

**12 फुट ऊंचे मंच पर होगा राम-रावण युद्ध का मंचन**

आकर्षण होगी। इस बार ड्रोन के माध्यम से पुष्पवर्षा की व्यवस्था भी की गई है।

मैदान की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यालय मंत्री संजय बिजली और अनूप टेंट वालों की देखरेख में संभाली जा रही है। निरीक्षण के दौरान दशहरा मेला मंत्री अजयकांत गर्ग, बाड़ा मंत्री गौरव अग्रवाल, पं. शशांक पाठक, पं. अमित भारद्वाज, मुदुल मोहन मित्तल, विकास अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, धीरज गोयल, अशोक अग्रवाल, अतुल बंसल, मोनू मुकुट वाले, नरेंद्र मुकुट वाले, दिनेश गोयल, नितिन अग्रवाल सराफ, राजेश वृंदावन, विनोद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, विवेक जीएलए, कृष्ण मुरारी अग्रवाल, ललित अग्रवाल और संतोष सिंघल, शशांक पाठक, सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

## शादी कार्ड बांटने जाते ग्रामीण की सड़क दुर्घटना में मौत

**यूनिक समय, मथुरा।** शादी के कार्ड बांटने के लिए जाते बाइक सवार को गोवर्धन रोड पर सांखी गांव के समीप बीती रात किस वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई।

थाना जैत के गांव बड़ौता के रहने वाले नरेंद्र सिंह की 11 नवंबर को शादी है। बताया गया बीती रात वह बाइक से शादी के कार्ड बांटने के लिए बरसाना क्षेत्र में जा रहा था। गोवर्धन सहार रोड पर गांव सांखी के समीप तेज

**गोवर्धन- साहर रोड पर बाइक को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर**

गति से आते किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में नरेंद्र सिंह की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

**CELEBRATE THE VICTORY OF GOODNESS!**  
THIS DUSSEHRA, DRIVE HOME HAPPINESS WITH MARUTI SUZUKI!

HAPPY **Dussehra**

**ARENA UMA MOTORS PVT.LTD.**  
(Authorised Dealer Maruti Suzuki India Ltd.)  
☎ 09084725941, 07302657011  
MATHURA | RAYA | GOVERDHAN | KOSI | BALDEO

**NEXA UMA MOTORS PVT.LTD.**  
(Authorised Dealer Maruti Suzuki India Ltd.)  
☎ 9719053333, 7248020111  
Add: 68, Maholi, Near Jai Gurudev Temple, NH-2, Mathura-281004

# हाईटेशन तार की चपेट में आया सात वर्षीय मासूम

**यूनिक समय, वृंदावन।** पागल बाबा मंदिर के पास वृंदावन रोड पर सोमवार दोपहर हाईटेशन लाइन की गार्डिंग के लिए लगाया गया तार टूटकर गिरने से सात वर्षीय प्रिंस करंट की चपेट में आकर गंभीर घायल हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने बच्चे को तार से अलग कर सीपीआर दी और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

गंदे कुआं के पास रहने वाले अजय कुमार का भांजा प्रिंस अपनी नानी करिश्मा के साथ बाजार जा रहा था। घर से कुछ दूरी पर मुख्य रास्ते पर पहुंचते ही अचानक गार्डिंग का तार टूटकर गिर गया। उसकी चपेट में आने से बच्चा



बिजली करंट की चपेट में आए बालक को सीपीआर देते लोग।

गंभीर झुलस गया। राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए उसे तार से अलग किया और सीपीआर देने के बाद रिक्शे से जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचाया।

प्राथमिक उपचार के बाद उसे

रामकृष्ण मिशन अस्पताल भेजा गया। वहां से हालत गंभीर देखते हुए बेहतर उपचार के लिए आगरा रेफर कर दिया गया। हादसे की सूचना पर बिजली विभाग में खलबली मच गई। पागल

**गंभीर हालत में आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज रेफर**

**गार्डिंग का तार टूटकर गिरा, राहगीरों ने बचाई जान**

बाबा लाइन के एसडीओ पंकज कुमार ने बताया कि हाईटेशन लाइन की गार्डिंग का तार अचानक टूटकर गिरने से हादसा हुआ। घटना के बाद तत्काल बिजली आपूर्ति बंद करा दी गई। उन्होंने कहा कि मासूम को बेहतर उपचार दिलाना प्राथमिकता है।

## छठ पूजा पर बिहार जाने वाली चार ट्रेनें फूल



**मुंबई की ट्रेनों में वेटिंग 100 पार**

**यूनिक समय, मथुरा।** छठ पूजा के मद्देनजर ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। त्योहार पर बिहार जाने वाले यात्रियों को कंफर्म टिकट के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार की ओर जाने वाली चार ट्रेनों में आरक्षण पूरा होने के बाद रेलवे ने उन्हें नो-रूम घोषित कर दिया है। वहीं, मुंबई की ओर जाने वाली ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या बढ़ने से वेटिंग लिस्ट 100 का आंकड़ा पार कर चुकी है।

छठ पूजा पर बिहार जाने वाले यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी के चलते ट्रेनों में सीटों की उपलब्धता कम हो गई है।

आरक्षण फूल होने के कारण यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में त्योहार पर घर जाने की तैयारी कर रहे लोगों को यात्रा की योजना बनाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं, मुंबई की ओर जाने वाली ट्रेनों

**स्कूल पढ़ने गई दो चचेरी बहनें लापता**

**यूनिक समय, मथुरा।** घर से स्कूल पढ़ने गई दो चचेरी बहनों के लापता होने की रिपोर्ट परिनज ने राया थाने में दर्ज कराई है। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। राया थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली दो चचेरी बहनें 17 अक्टूबर की सुबह घर से पचावर स्थित एक इंटर कॉलेज में पढ़ाई के लिए गई थीं। देर शाम तक जब दोनों वापस घर नहीं पहुंचीं, तो परिजन को चिंता हुई। परिजन ने हर संभावित स्थान और रिश्तेदारी में उन्हें तलाश किया, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। एक किशोरी के पिता ने राया थाने में दोनों के किशोरियों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। दोनों किशोरियां आपस में चचेरी बहनें हैं।

**ये ट्रेनें हुई नो-रूम**

बिहार की ओर जाने वाली मथुरा-छपरा एक्सप्रेस, कोटा-पटना एक्सप्रेस, ग्वालियर-कोलकाता एक्सप्रेस और चम्बल एक्सप्रेस को नो-रूम घोषित किया जा चुका है। त्योहार पर यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे पांच नवंबर से अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन शुरू करेगा। यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए आधा दर्जन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी लगाए जाएंगे।

त्योहार पर यात्रियों की सुविधा के लिए 5 नवंबर से कुछ ट्रेनों को विस्तार दिया जाएगा। आधा दर्जन ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाया जाएगा। कासगंज रूट पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा गया है। बिहार जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें फूल हो चुकी हैं। मुंबई जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग बढ़ गई है।

**सुनील कुमार शर्मा, स्टेशन निदेशक।**

में भी सीटों को लेकर मारामारी की स्थिति बनी हुई है। इन ट्रेनों में वेटिंग 100 के पार पहुंचने से यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। छठ पूजा के साथ ही त्योहार के दौरान बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ के कारण रेल यात्रा के लिए पहले से आरक्षण कराना जरूरी हो गया है।

**यूनिक समय**

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।  
**कार्यालय:-** यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।  
संपादक-पवन गौतम  
**फोन नंबर-0565-3550761**  
**मो. 9837155888**  
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com  
website : uniquesamay.com  
RNI-UPHIN/2023/85053  
DAVP:- 134220

**डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28**  
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

## यमुना एक्सप्रेसवे पर बस की टक्कर, महिला की मौत

**आगे चल रहे वाहन से भिड़ी बस, चार अन्य घायल**

**तड़के चार बजे माइलस्टोन 77 के पास हुआ हादसा**



की आगे की सीटों पर बैठे दिल्ली निवासी लालमणि जायसवाल और उनकी पत्नी किरन, लखनऊ निवासी प्रेमचंद मौर्य, अजहर खान और प्रियंका मौर्य घायल हो गए।

दुर्घटना की सूचना पर बाजना कट चौकी प्रभारी हरेन्द्र सिंह पुलिस टीम और यमुना एक्सप्रेसवे की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों टीमों ने घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहसील पहुंचाया। यहां उपचार के दौरान किरन की मौत हो गई। वह अपने पति के साथ सुल्तानपुर से दिल्ली जा रही थीं। पुलिस ने किरन के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

**यूनिक समय, सुरीर।** थाना सुरीर क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर सोमवार भोर में आगरा से दिल्ली जा रही एक बस आगे चल रहे वाहन से टकरा गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य यात्री घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का एक तरफ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घायलों के अनुसार, हादसे की वजह चालक को नींद आना हो सकती है। जानकारी के अनुसार, बस तड़के करीब चार बजे माइलस्टोन संख्या 77 के पास पहुंची, तभी वह आगे चल रहे वाहन से पीछे से टकरा गई। हादसे के समय बस

**स्वाद में लाजवाब  
सेहत में बेहतरीन  
भुना दलिया।**

**OUR PRODUCTS**

- M.P Wheat Atta
- Missa Atta
- Murmura
- Roasted Daliya
- Multi Grain Atta
- Makka Atta
- Poha
- Kuttu Atta
- Multi Millet Atta
- Bajra Atta
- Sooji
- Maida

www.greengoldgrocers.com 8272013780

## बेटे का जन्मदिन मनाकर लौट रहे जीजा-साले की मौत

**बुलट बाइक पेड़ से टकराई, दोनों की गई जान**

**रातभर इंतजार करता रहा परिवार, सुबह मिली हादसे की खबर**

**यूनिक समय, मथुरा।** बेटे का जन्मदिन मनाकर बाजार निकले जीजा-साले की सड़क हादसे में मौत हो गई। देर रात गांव लौटते समय उनकी बुलट बाइक पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों की जान चली गई। उधर, परिवार के लोग उनके घर लौटने का इंतजार करते रहे। सुबह दुर्घटना में मौत की खबर मिली तो परिवार में कोहराम मच गया।

थाना बल्देव के गांव गिरधरपुर निवासी सुभाष (27) के बेटे कान्हा का रविवार को जन्मदिन था। समारोह में शामिल होने के लिए उसका साला मनोज निवासी सलेमपुर, फरह, जो गोवर्धन चौराहे पर रहता था, भी आया हुआ था। जन्मदिन मनाने के बाद दोनों



मनोज सुभाष (फाइल फोटो)

बुलट बाइक से बाजार के लिए निकल गए, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। परिजन उनकी राह देखते रहे।

बताया गया कि गांव लौटते समय गिरधरपुर से करीब दो किलोमीटर पहले उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में दोनों की मौत हो गई।

दुर्घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को भी हादसे की सूचना दी गई।

मनोज श्रीराम फाइनेंस कंपनी में काम करता था, जबकि सुभाष नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करता था। बेटे के जन्मदिन की खुशियां मनाने के कुछ ही घंटों बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

## हत्या के प्रयास में वांछित गिरफ्तार

**यूनिक समय मथुरा।** मगोरा पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, नेतराम निवास गांव अहमल थाना मगोरा हत्या के प्रयास मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने एक सूचना के आधार पर अभियुक्त को फौंडर से आगे पुलिया के समीप से गिरफ्तार किया है।

**के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर**

**अब हम देंगे शिशु हृदय रोग विशेषज्ञ की सेवाएं**

**बच्चों में हृदय रोग के लक्षण**

- सांस फूलना
- उचित आहार न ले पाना
- छाती में दर्द
- बार-बार सर्दी एवं खांसी होना
- जन्म के वक्त शिशु के वजन में कमी होना
- बार-बार निमोनिया होना
- दूध पीते वक्त ज्यादा पसीना आना
- होठ, नाखून व जीभ का नीला पड़ जाना
- हाथ टखनों व पैरों में सूजन

**बच्चों में हृदय से संबंधित होने वाली प्रमुख बीमारियां निदान**

- मायोकार्डिटिस (Myocarditis) हृदय की मांसपेशियों में होने वाली सूजन को कहते हैं। यह स्थिति आमतौर पर किसी वायरल संक्रमण (जैसे सामान्य सर्दी या फ्लू) के कारण होती है, जिससे हृदय की खून पंप करने की क्षमता कम हो जाती है और धड़कनें अनियमित हो सकती हैं।
- दिल में छेद (Heart Defect) आमतौर पर जन्मजात होता है, जो गर्भावस्था के 30 से 35 दिनों के दौरान भ्रूण का दिल ठीक से न बनने के कारण होता है।
- कावासाकी रोग (Kawasaki Disease) एक दुर्लभ बीमारी है जो मुख्य रूप से 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है। इसमें शरीर की रक्त वाहिकाओं (विशेषकर हृदय की कोरोनरी धमनियों) में सूजन आ जाती है, जिससे तेज बुखार और चकत्ते जैसे लक्षण उभरते हैं।

**Dr. Arpita Mishra**  
Consultant Pediatrician and Pediatric Cardiology  
MBBS, DNB Pediatrics (Lilavati Hospital, Mumbai)  
Fellowship Pediatric Cardiology (MUHS)  
Sathya Sai Sanjeevani Hospital, Mumbai  
Assistant Professor KD Medical College

**ओ.पी.डी. समय**  
प्रातः 9:00 बजे से  
सायं 4:00 बजे तक

**24/7 EMERGENCY SERVICES**

**उपलब्ध सुविधाएं**

- Neonatal Echo**  
नवजात शिशुओं (जन्म से लेकर 28 दिनों तक के बच्चों) के हृदय की एक विशेष प्रकार की अल्ट्रासाउंड जांच होती है। यह जांच नवजात शिशु के दिल की बनावट, आकार, कार्यप्रणाली और रक्त प्रवाह की सटीक तस्वीर दिखाती है।
- Pediatric Echo**  
टेस्ट में बच्चे के फीटस या फिर भ्रूण की संरचना, हृदय गति या इसकी लय का आकलन किया जाता है। इस टेस्ट के माध्यम से भ्रूण के हार्ट चैम्बर, वाल्व, रक्त वाहिकाएं और रक्त प्रवाह की जांच आसानी से हो सकती है।

**अत्याधुनिक आपरेशन थियेटर | NICU-PICU | ब्लड बैंक | पैथोलॉजी**

**अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400, 7088105741**

# मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना, देवी मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब



लोधी राजपूत समाज की बगीची स्थित प्राचीन चामुंडा देवी की पूजा करती श्रद्धालु।

**यूनिक समय, मथुरा।** शारदीय नवरात्रि के नौवें दिन सोमवार को कान्हा की नगरी में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। नवरात्रि के अंतिम दिन देवी मंदिरों में सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्तों ने माता रानी के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और आरोग्य की कामना की। नवमी पर शहर के देवी

**नौवें दिन सुबह से ही मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु**

**सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की**

मंदिरों में धार्मिक उत्साह और भक्ति का

## मां सिद्धिदात्री की आराधना का विशेष महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां सिद्धिदात्री मां दुर्गा का नौवां स्वरूप है। उन्हें सिद्धियों और मनोकामनाओं की पूर्ति करने वाली देवी माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से भक्तों को सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। नवमी के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता रानी की आराधना कर परिवार में सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की प्रार्थना की।

माहौल देखने को मिला। शहर के कैंट काली मंदिर, रेश्वर वाली काली माता मंदिर, महाविद्या देवी मंदिर, बंगलामुखी मंदिर, चामुंडा देवी मंदिर और कंकाली देवी मंदिर सहित प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां के समक्ष शीश नवाया। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माता रानी को पुष्प अर्पित किए और चुनरी चढ़ाकर परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मंदिरों में माता रानी के जयकारों से वातावरण

भक्तिमय हो उठा। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। नवरात्रि के अंतिम दिन मां के दर्शन और पूजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। भक्तों ने माता रानी के चरणों में मत्था टेककर परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा की आराधना कर जीवन में सुख-शांति बनाए रखने और परिवार को संकटों से बचाने की प्रार्थना की।

## छाता शुगर मिल पर पुतला दहन की अनुमति नहीं

**यूनिक समय, मथुरा।** छाता शुगर मिल को दोबारा चालू कराने की मांग को लेकर मिल परिसर के बाहर चल रहे धरने के बीच 20 अक्टूबर को प्रस्तावित पुतला दहन कार्यक्रम की अनुमति प्रशासन ने नहीं दी है।

एसडीएम अखिलेश कुमार ने बताया कि पुतला दहन के दौरान आग जलने, भीड़ जुटने और यातायात प्रभावित होने की आशंका के चलते अनुमति निरस्त की गई है। संबंधित लोगों को धरना समाप्त कर स्थल खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी से नियमों का पालन करने और शांति बनाए रखने की अपील की है। निर्देशों की अवहेलना करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## पुताई का काम छुड़ाने के बाद युवक से मारपीट

**यूनिक समय, मथुरा।** छाता थाना क्षेत्र में पुताई का काम करने वाले चेतन कुमार के साथ मारपीट के आरोप में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ला जाटव-जाटन निवासी चेतन ने शिकायत में बताया कि 18 अक्टूबर की रात वह काम पर गया था। आरोप है कि पप्पू ने उसका काम छुड़वा दिया, जिसके बाद विवाद हो गया। चेतन के अनुसार, पप्पू, वीर, दीपक, सुदीप, संदीप, रचना देवी और तुलसी देवी ने लाठी-डंडों व अन्य हथियारों से मारपीट की। आरोप है कि सुदीप ने फरसे से सिर पर वार कर उसे घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने परिवार की सुरक्षा और कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।



## दुर्गा देवी मंदिर में हुआ कन्या पूजन संग नवचंडी महायज्ञ



बैंक कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर में कन्या पूजन करते पंडित रामकृष्ण शास्त्री।

**यूनिक समय, मथुरा।** गीता एंक्लेव बैंक कॉलोनी स्थित प्राचीन सिद्ध श्री दुर्गा देवी मंदिर में नवरात्र के उपलक्ष्य में आयोजित नवचंडी महायज्ञ महोत्सव का समापन मां भगवती के भव्य श्रृंगार, फूल बंगला, हवन-पूर्णाहुति और कन्या पूजन के साथ हुआ। महंत आचार्य पंडित रामकृष्ण शास्त्री ने बताया कि नवरात्र में कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर उनका पूजन और सत्कार करने की परंपरा है। मान्यता है कि कन्या

पूजन और भोज से मां दुर्गा प्रसन्न होकर भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।

इस अवसर पर आचार्य कुशल शर्मा, जगत बहादुर अग्रवाल, पं. शिवा महाराज, पं. एकाक्ष शर्मा, राजेंद्र सक्सेना, कपिल अरोड़ा, अर्पिता मिश्रा, विद्या देवी, ओम शास्त्री, श्रीराम शर्मा, प्रशांत शास्त्री, पं. संकल्प, उपमन्यु, शिव प्रताप सिंह, गौरव सिंह, योगेश सहित बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

## मथुरा में 21-22 अक्टूबर को मनेगा जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी का स्थापना महोत्सव



कार्यक्रमों की जानकारी देते भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारी।

**यूनिक समय, मथुरा।** भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी के 125वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में 21 और 22 अक्टूबर को मथुरा में दो दिवसीय शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष महोत्सव और भट्टारक सम्मेलन आयोजित होगा। सोमवार को जैन चौपसी मंदिर में प्रेस वार्ता कर पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

आयोजन आचार्य सुरल सागर के सान्निध्य-मार्गदर्शन में होगा। इसमें देशभर से जैन समाज के श्रद्धालु, विद्वान, प्रमुखजन और विभिन्न पीढ़ों के भट्टारक स्वामी शामिल होंगे। 21 अक्टूबर को पदाधिकारियों की बैठक, ध्वजारोहण और मंगलाचरण के बाद भट्टारक सम्मेलन होगा। इसमें जैन तीर्थक्षेत्रों की सुरक्षा, प्राचीन धरोहरों के संरक्षण, पांडुलिपियों के संवर्द्धन और तीर्थयात्रियों की सुविधाओं के विकास पर चर्चा की जाएगी। शाम को जैन संस्कृति और इतिहास पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। आयोजकों ने बताया कि कमेटी की

भट्टारक सम्मेलन में तीर्थों के संरक्षण और धरोहरों पर होगा मंथन

**22 अक्टूबर को शोभायात्रा दोपहर एक बजे मुख्य समारोह**

स्थापना 22 अक्टूबर 1902 को मथुरा चौपसी में हुई थी। संस्था ने तीर्थों के संरक्षण, जीर्णोद्धार और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार में योगदान दिया है। 22 अक्टूबर को सुबह शोभायात्रा निकलेगी, जबकि दोपहर एक बजे मुख्य समारोह शुरू होगा।

समिति ने जैन धर्मावलंबियों और सामाजिक संस्थाओं से सहभागिता की अपील की है। प्रेस वार्ता में पीएनसी चेयरमैन स्थापना वर्ष समिति के प्रदीप जैन, मुख्य संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल और हसमुख जैन गांधी, संयोजक संजीव जैन, शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष के चेयरमैन जवाहर लाल जैन, सुभाष जैन, योगेश जैन मौजूद रहे।



संधि आरती के दौरान मां कात्यायनी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु।

## मां कात्यायनी की संधि आरती में श्रद्धालुओं में खूब लुटाया खजाना

**अष्टमी-नवमी के मिलन पर उमड़े भक्त जयकारों से गुंजा मंदिर**

**यूनिक समय, वृंदावन।** राधा बाग स्थित 51 शक्तिपीठों में शामिल प्राचीन मां कात्यायनी मंदिर में अष्टमी और नवमी तिथि के मिलन पर विशेष संधि आरती हुई। मां भगवती की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण और श्रद्धालुओं की सुख-समृद्धि की कामना की गई। आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे। मां के जयकारों और मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर गुंज उठा।

संधि आरती के दौरान भक्तों ने मां कात्यायनी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

मंदिर की प्राचीन परंपरा के अनुसार पुजारियों और ट्रस्टियों ने श्रद्धालुओं के



मां कात्यायनी।

बीच मां का खजाना लुटाया। खजाना पाने के लिए भक्तों में खासा उत्साह दिखाई दिया। श्रद्धालुओं ने इसे मां भगवती की कृपा और आशीर्वाद का प्रतीक माना।

मंदिर के मुख्य पुजारी कमल तिवारी ने बताया कि अष्टमी और नवमी तिथि के मिलन के विशेष मुहूर्त में संधि आरती की जाती है। धार्मिक मान्यताओं में इस आरती का विशेष महत्व है।

परंपरा के अनुसार, इस अवसर पर मां की विशेष पूजा-अर्चना के साथ खजाना वितरण भी किया जाता है। मंदिर ट्रस्टी नरेश दयाल और सिद्धार्थ सहाय ने बताया कि आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने और आरती में शामिल होने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। संधि आरती के साथ मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

## महाअष्टमी पर घर-घर कन्या पूजन, हलवा-पूड़ी का भोग

**यूनिक समय, मथुरा।** शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर सोमवार को समूचे जिले में घर-घर कन्या पूजन की धूम रही। सुबह से ही घरों में मां दुर्गा की पूजा-अर्चना और कन्या भोज की तैयारियां शुरू हो गईं। श्रद्धालुओं ने कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर पूजन किया और हलवा-पूड़ी, चने का प्रसाद खिलाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महाअष्टमी पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता रानी की आराधना की। कन्याओं के पैर धोकर तिलक लगाया और पूजा-

**कन्याओं को देवी स्वरूप मानकर कराया भोज, सुख-समृद्धि की कामना**

अर्चना के बाद उन्हें श्रद्धापूर्वक भोजन कराया। दक्षिणा और उपहार भेंट कर कन्याओं का आशीर्वाद लिया गया। घरों में परिवार के सदस्यों ने मिलकर धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। कन्या पूजन को लेकर सुबह से ही उत्साह दिखाई दिया। नवरात्र में महाअष्टमी पर मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा का विशेष

महत्व है। श्रद्धालुओं ने माता की आराधना कर घर-परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कन्या पूजन के माध्यम से कन्याओं में देवी शक्ति के स्वरूप का सम्मान किया जाता है। हालांकि, कई परिवारों में कन्या पूजन अष्टमी पर किया जाता है, जबकि कुछ परिवार नवमी को यह परंपरा निभाते हैं। इसी के चलते सोमवार को महाअष्टमी पर अनेक घरों में कन्या पूजन हुआ, जबकि कुछ परिवार नवमी पर पूजन करेंगे।

# जूनोटिक रोगों की रोकथाम के लिए जीएलए में प्रशिक्षित हुए शोधार्थी

**यूनिक समय, मथुरा।** जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के जैव प्रौद्योगिकी (बायोटेक) विभाग में भारत सरकार के स्वास्थ्य-परिवार कल्याण मंत्रालय अंतर्गत स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के तत्वावधान में "जूनोटिक डिजीज इंटीग्रेटेड अप्रोचस टू डायग्नोसिस कंट्रोल एंड प्रिवेंशन" विषय पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो मॉड्यूल सफलतापूर्वक संपन्न हो गए हैं। इस उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को पशुओं से मानव में फैलने वाले जूनोटिक रोगों के सटीक निदान, प्रभावी नियंत्रण और वैज्ञानिक रोकथाम के लिए एक एकीकृत, व्यावहारिक-आधुनिक दृष्टिकोण से दक्ष बनाना रहा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन बायोटेक विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर-कार्यक्रम



डॉ. अनुजा मिश्रा डॉ. स्वरूप कुमार पांडेय

की प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. अनुजा मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर सह-प्रधान अन्वेषक डॉ. स्वरूप कुमार पांडेय के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के प्रत्येक बैच में 10-10 चयनित अभ्यर्थियों को शामिल किया गया था। इस दौरान भारत-विदेशों के ख्यातिप्राप्त संस्थानों से आमंत्रित विशेषज्ञों- अतिथि

वक्ताओं ने विशेष व्याख्यान-तकनीकी सत्र आयोजित किए, जिनके माध्यम से प्रतिभागियों को जूनोटिक रोगों की पहचान, अत्याधुनिक निदान तकनीकों, फील्ड-स्तरीय नियंत्रण रणनीतियों, रोकथाम के विभिन्न पहलुओं का गहन व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रतिष्ठित संस्थानों से आमंत्रित विशेषज्ञों-अतिथि वक्ताओं ने व्याख्यान और विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए।

इनमें जूनोटिक रोगों की पहचान, आधुनिक निदान तकनीकों, रोग नियंत्रण रणनीतियों, रोकथाम के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ विकसित करने के साथ इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन तैयार करना भी

रहा।

जीएलए विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डा. अंजना गोयल ने कहा कि जूनोटिक रोगों की समय पर पहचान और रोकथाम के लिए वैज्ञानिक समझ, आधुनिक निदान तकनीकों का ज्ञान बेहद आवश्यक है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रोग नियंत्रण की व्यावहारिक चुनौतियों से परिचित करते हैं। विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों का अनुभव प्रतिभागियों की कार्यक्षमता और अनुसंधान संबंधी समझ को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

जीएलए के डीन रिसर्च प्रो. कमल शर्मा ने कहा कि जूनोटिक रोगों पर अनुसंधान और प्रशिक्षण सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इन रोगों के प्रभावी नियंत्रण के

लिए वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक तकनीकों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच समन्वय आवश्यक है। उन्होंने दो प्रशिक्षण मॉड्यूल के सफल समापन पर आयोजकों ने प्रतिभागियों, अतिथि वक्ताओं और सहयोगी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

डॉ. अनुजा मिश्रा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में सहयोग देने वाले एनआईआरटी जालमा आगरा के वैज्ञानिक हिरावती देवालय, सीआईआरजी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, जीएलए बायोटेक पूर्व विभागाध्यक्ष डा. शूरवीर सिंह, जालमा आगरा के वैज्ञानिक अजय वीर सिंह, दुवासू के एसोसिएट प्रोफेसर जितेंद्र कुमार चौधरी और अन्य विशेषज्ञों, अतिथि वक्ताओं और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

## स्व. सुरेश चंद की 75वीं जयंती पर संत सेवा और 'हमारे राम' का मंचन



सोमवार को पत्रकारों से वार्ता करते स्वीटी बाय एमआर ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल, साथ हैं मैनेजिंग डायरेक्टर लव कुमार बंसल, कन्हैया लाल अग्रवाल।

**यूनिक समय, मथुरा।** स्वीटी बाय एमआर ग्रुप के संस्थापक स्व. सुरेश चंद्र अग्रवाल की 75वीं जन्म जयंती पर ब्रज में सेवा, श्रद्धा और संस्कृति को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हीरक जयंती के तहत

20 अक्टूबर को ब्रज के साधु-संतों के लिए प्रसादी, प्रमुख मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन और वृंदावन में 'हमारे राम' नाटक का मंचन होगा।

यह जानकारी स्वीटी बाय एमआर ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार अग्रवाल

## 20 अक्टूबर को 551 साधु संतों की प्रसादी, तीन प्रमुख मंदिरों में विशेष पोशाक और फूल बंगला दर्शन

ने बताया कि परिणय गार्डन में मंगलवार सुबह ब्रज क्षेत्र के 551 साधु-संतों के लिए प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से संत सेवा, अन्नदान और ब्रज समाज के प्रति सम्मान की भावना व्यक्त की जाएगी। इसी क्रम में गोवर्धन के श्री दानघाटी मंदिर, बरसाना के श्री राधारानी मंदिर और मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर ठाकुरजी की विशेष पोशाक और भव्य फूल बंगला दर्शन की व्यवस्था की जाएगी। मैनेजिंग डायरेक्टर लव

कुमार ने बताया कि हीरक जयंती का प्रमुख सांस्कृतिक कार्यक्रम वृंदावन स्थित स्वामी हरिदास ऑडिटोरियम, गीता शोध संस्थान में होगा। यहां फेलिसिटी थिएटर की चर्चित नाट्य प्रस्तुति 'हमारे राम' का मंचन किया जाएगा। इसमें भगवान श्रीराम के जीवन, मर्यादा, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा को दर्शाया जाएगा। प्रस्तुति में राहुल आर. भुचर प्रभु श्रीराम, आशुतोष राणा रावण, दानिश अख्तर हनुमान, तरुण खन्ना भगवान शिव और अमृता परिहार माता सीता की भूमिका निभाएंगे। इससे पहले सोमवार को ग्रीन वैली में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। वार्ता के दौरान परिवार के सदस्य-विहिप नेता कन्हैया लाल अग्रवाल भी मौजूद रहे।

## पैदल निकली मां काली की सवारी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

**यूनिक समय, फरहा।** सोमवार को कस्बा का वातावरण माता रानी की भक्ति और श्रद्धा से डूबा रहा। तलवार के साथ करतब दिखाते हुए मां काली निकली तो माहौल जयकारों से गुंज उठा। फरा देवी मंदिर पर दर्शन को श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती रही।

कस्बा के समाजसेवियों के तत्वावधान में मां काली की पैदल सवारी आकर्षक का केंद्र रही। पथवारी मंदिर परिसर से बैंडबाजे के साथ धूमधाम से निकाली गई मां काली लांगुरों के साथ करतब दिखाते हुए कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर फरा देवी मंदिर पर पहुंची। यहां महंत शिवराम



शर्मा ने आरती उतार कर मां काली की पूजा करते हुए परंपरागत रूप से स्वागत किया। वहीं, फरा देवी मंदिर पर भव्य फूल बंगला सजाया गया, बिजली की झालरों से रोशनी की गई।

## कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी को मिला राष्ट्रीय चरक अवॉर्ड

**यूनिक समय, मथुरा।** केडी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी को क्लिनिकल डेंटिस्ट्री के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान के लिए इंडियन डेंटल एसोसिएशन (आईडीए) के प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट चरक अवॉर्ड-2026 से सम्मानित किया गया। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में उन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से केडी विश्वविद्यालय और केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में हर्ष का माहौल है।

समारोह में आईडीए अध्यक्ष डॉ. मनोज श्रीवास्तव, महासचिव डॉ. अशोक धोबले, चरक अवॉर्ड समिति के चेयरमैन डॉ. दीपक माहेश्वरी तथा प्रीवेस्ट डेनप्रो के चेयरमैन अतुल मोदी ने डॉ. लाहौरी को सम्मानित किया। डॉ.



डॉ. मनेष लाहौरी को लाइफटाइम अचीवमेंट चरक अवॉर्ड प्रदान करते आईडीए और प्रीवेस्ट डेनप्रो के पदाधिकारी।

लाहौरी की उपलब्धि पर केडी विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान उनकी दीर्घकालीन साधना, व्यावसायिक उत्कृष्टता और चिकित्सा शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। उनका योगदान संस्थान के लिए प्रेरणास्रोत है। यह उपलब्धि केडी विश्वविद्यालय के साथ पूरे ब्रज क्षेत्र के

## बीएसए कॉलेज में ई-स्पोर्ट्स चैंपियनशिप, 48 टीमों ने लिया भाग



विजेताओं को सम्मानित करते चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल, वाइस चेयरमैन विशाल बंसल और अन्य।

**यूनिक समय, मथुरा।** बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के टेकमंथन सीएसई क्लब की ओर से 'फ्री फायर-सर्वाइवल एरीना' अंतर-विभागीय ई-स्पोर्ट्स चैंपियनशिप आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 48 टीमों के 192 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने गेमिंग कौशल, रणनीतिक सोच, त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में टीम ऑरा फार्मर्स ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि द रैंकर्स दूसरे और रेड एम्पर तीसरे स्थान पर रही। विजेता टीम के चारों सदस्यों को गेमिंग हेडफोन, उपविजेता टीम के सदस्यों को फोन कूलर और तीसरे स्थान पर रही टीम के सदस्यों को गेमिंग माउस दिए गए। सभी प्रतिभागियों को रिस्टबैंड, गेमिंग थीम वाले स्टिकर और सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने

## टीम ऑरा फार्मर्स प्रथम द रैंकर्स दूसरे स्थान पर

## 192 विद्यार्थियों ने गेमिंग कौशल और टीम भावना दिखाई

विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ तकनीकी और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने और टीम भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन एके डमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह और विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा पूजा ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में तकनीकी ज्ञान के साथ रचनात्मक और तार्किक सोच विकसित करना आवश्यक है। कॉलेज की इस पहल ने विद्यार्थियों को ई-स्पोर्ट्स के माध्यम से प्रतिभा दिखाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया।



बिरिमल्ला खां युवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित लोकनाट्य कलाकार गजेन्द्र सिंह मैथिल।

## बिरिमल्ला खां युवा पुरस्कार से लोकनाट्य कलाकार सम्मानित

## हुलवाना के कलाकार ने सम्मान नौटंकी जगत को समर्पित किया

**यूनिक समय, मथुरा।** छाता तहसील स्थित गांव हुलवाना निवासी लोकनाट्य कलाकार गजेन्द्र सिंह मैथिल को संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली की ओर से प्रतिष्ठित बिरिमल्ला खां युवा पुरस्कार-2024 से सम्मानित किया गया है। उत्तर भारत की लोकनाट्य विधा नौटंकी में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा ने सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर उन्हें 25 हजार रुपये की धनराशि, अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

गजेन्द्र सिंह मैथिल को राष्ट्रीय सम्मान मिलने से नौटंकी विधा से जुड़े कलाकारों और उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। उन्होंने इस उपलब्धि को नौटंकी जगत से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान बताते हुए पुरस्कार विद्वान लेखकों, गायकों और प्रशंसकों को समर्पित किया।

## सात वर्ष की उम्र से सीखा नौटंकी गायन

गजेन्द्र का जन्म वर्ष 1991 में गांव हुलवाना में लखीराम मैथिल और शांतिदेवी के घर हुआ। बचपन से ही नौटंकी के प्रति गहरी रुचि रखने वाले गजेन्द्र ने सात वर्ष की उम्र में गांव के पंडित श्रीराम शर्मा देशल से नौटंकी गायन और पेटी हारमोनियम वादन की शिक्षा लेनी शुरू की। मंचों पर प्रस्तुतियां देकर अपनी पहचान बनाई। उन्होंने नौटंकी गुरु हुकुम चंद वार्ष्णेय (छाता), पंडित रामदयाल शर्मा (नई दिल्ली) और पंडित विष्णु दत्त शर्मा (चिरवाड़ी, हरियाणा) से भी इस विधा की बारीकियां सीखीं। वर्तमान में वह पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय गोरखपुर में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

अंतरराष्ट्रीय लोकनाट्य विशेषज्ञ-संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार-2014 से सम्मानित आचार्य डॉ. खेमचंद यदुवंशी शास्त्री, आकाशवाणी के टॉप ग्रेड लोकगायक-भागवतार्च्य पंडित दामोदर शर्मा, गजलकार डॉ. श्रीगोपाल शर्मा, वरिष्ठ नौटंकी कलाकार विष्णु दत्त वशिष्ठ, चौधरी रामहेत सिंह, मास्टर गणपतलाल, प्रकाश सिसोदिया, होतीलाल पांडेय, लेखराज बैनीवाल, कृष्णा कुमारी माथुर, जाफरी बेगम, सरिता चौधरी, हेमा ब्रजवासी और पद्मश्री पंडित रामदयाल शर्मा सहित अनेक लोगों ने उन्हें बधाई दी।

# आस्था भारी, पर कन्याएं नहीं... अष्टमी पर कन्याओं का अकाल

घर-घर सजी हलवा-पूरी की थाली, नौ कन्याओं का इंतजार

कहीं बाइक से तलाश  
कहीं पांच कन्याओं से ही पूजन

**यूनिक समय, कोसीकलां।** नवरात्र में कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर पूजने की परंपरा है, लेकिन अष्टमी पर इसी पूजन के लिए कन्याएं ढूंढना मुश्किल हो गया। सोमवार सुबह घर-घर हलवा, पूरी और चने

तैयार हुए। आंगन में थालियां सज गईं, चुनरियां रख दी गईं, लेकिन नौ कन्याओं का इंतजाम करने में श्रद्धालुओं के पसीने छूट गए। आस्था में कोई कमी नहीं थी, मगर कन्याओं की कमी ने लोगों को परेशान कर दिया।

सुबह छह बजे से ही कन्या भोज की तैयारियां शुरू हो गईं। दरवाजों पर खड़े लोग गलियों में नन्ही कन्याओं का इंतजार करते रहे। पहले जहां एक आवाज पर नौ कन्याएं और एक लांगुर मिल जाते थे, वहीं इस बार एक-एक कन्या के लिए मशकत करनी पड़ी। कोई मोटरसाइकिल लेकर कन्याएं तलाशने निकला तो कोई पैदल ही घर-घर पूछता रहा।



मोहल्लों में आवाज सुनाई देती रही- 'भैया, दो कन्या तो दे दो, सात हो गई

हैं, दो कम हैं।' हालात यह रहे कि कई घरों में सुबह

नन्ही कन्याओं के पूजन से खिल उठे चेहरे

कन्याओं के पहुंचने पर घरों में श्रद्धा और उल्लास का माहौल दिखा। लोगों ने उनके पैर धोए, तिलक लगाया, चुनरी ओढ़ाई और हलवा-पूरी खिलाकर आशीर्वाद लिया। कन्याओं की मुस्कान ने श्रद्धालुओं की सारी भागदौड़ और थकान मिटा दी।

आठ बजे तैयार हुआ हलवा दोपहर 12 बजे तक ठंडा पड़ गया, लेकिन

नौ कन्याओं का इंतजाम नहीं हो सका। कहीं पांच कन्याओं का पूजन कर संतोष करना पड़ा तो कहीं बाकी कन्याओं के इंतजार में पूजा की तैयारियां लंबी खिंचती रही।

बुजुर्गों के मुताबिक, पहले परिवार बड़े होते थे और घरों में तीन-चार बेटियां होना आम बात थी। अब छोटे परिवारों में बच्चों की संख्या कम हो गई है। स्कूल और कोचिंग के कारण भी कई कन्याएं सुबह घरों पर उपलब्ध नहीं रहती। इसके अलावा अधिकांश परिवार एक ही समय पर कन्या पूजन करना चाहते हैं, जिससे मांग अचानक बढ़ जाती है और कन्याओं की तलाश मुश्किल हो जाती है।

## किसानों का गुस्सा फूटा पांचवें दिन भी धरना जारी

अधिकारी नहीं पहुंचे किसानों ने जताया रोष

आठ सूत्रीय मांगों पर ठोस आश्वासन मिलने तक आंदोलन

**यूनिक समय, नौहड़ली।** गांव मिट्टोली में किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन टिकैत का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को पांचवें दिन भी जारी रहा। पांच दिन बीतने के बावजूद कोई सक्षम प्रशासनिक अधिकारी किसानों



मांगों को लेकर पंचायत भवन पर बैठे किसान नेता।

की समस्याएं सुनने धरनास्थल पर नहीं पहुंचा। इससे किसानों और संगठन के पदाधिकारियों में रोष बढ़ता जा रहा है।

धरने को संबोधित करते हुए भाकियू के मंडल उपाध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह ने कहा कि क्षेत्र के किसान

अनेक गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन प्रशासन उनके समाधान को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक कोई उच्च अधिकारी धरनास्थल पर पहुंचकर किसानों की समस्याएं नहीं

सुनता और आठ सूत्रीय मांगपत्र पर ठोस आश्वासन नहीं देता, तब तक धरना जारी रहेगा।

धरने में वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रचार मंत्री चौधरी करुआ सिंह, मंडल उपाध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, वरिष्ठ तहसील उपाध्यक्ष चौधरी अमर सिंह, तहसील सलाहकार चौधरी रणधीर सिंह, चौधरी प्रेम सिंह, रामवीर सिंह पटवारी, श्रीचंद चौधरी, हरबंस सिंह, चौधरी संतोष, चौधरी रोशन सिंह, चौधरी मुकेश कुमार, चौधरी सुखराम सिंह, श्याम चौधरी, महेश शर्मा और चौधरी धर्मपाल सिंह सहित सैकड़ों किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।



रामलीला मंचन के दौरान लक्ष्मण को शक्ति लगने के बाद विलाप करते राम।

विभीषण शरणागति और लक्ष्मण शक्ति लीला ने भावुक किए दर्शक

संजीवनी लेकर लौटे हनुमान, भरत मिलन के दृश्य ने जीता दिल

**यूनिक समय, बाजना।** कबूते में आयोजित रामलीला महोत्सव में विभीषण शरणागति, लक्ष्मण शक्ति और हनुमान के संजीवनी बूटी लाने की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने सजीव अभिनय से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। लंका दहन के बाद भी रावण का अहंकार कम नहीं हुआ। भाई विभीषण ने माता सीता को सम्मानपूर्वक श्रीराम को

लौटाने की सलाह दी, लेकिन रावण ने उनका अपमान कर सभा से निकाल दिया। इसके बाद विभीषण ने श्रीराम की शरण ली। प्रभु श्रीराम ने उन्हें गले लगाकर लंका का भावी राजा घोषित किया। इसके बाद श्रीराम की सेना ने लंका पर चढ़ाई की। युद्ध के दौरान मेघनाथ ने मायावी शक्ति से लक्ष्मण पर ब्रह्मशक्ति का प्रहार कर उन्हें मूर्छित कर दिया। लक्ष्मण को अचेत देखकर श्रीराम सहित पूरी वानर सेना चिंतित हो उठी। राजवैद्य सुषेण ने उनके प्राण बचाने के लिए सूर्योदय से पहले संजीवनी बूटी लाने की बात कही। संकट की घड़ी में हनुमान हिमालय पहुंचे। जड़ी-बूटी की पहचान नहीं होने पर वे पूरा पर्वत ही उठाकर रणभूमि में ले आए। वैद्य सुषेण ने संजीवनी से लक्ष्मण का उपचार किया, जिससे उन्हें होश आ गया। लक्ष्मण के स्वस्थ होते ही सेना में उत्साह लौट आया।

कोसी के काली मेला में उमड़ेगी आस्था, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

50 किलो श्रृंगार, 25 किलो मुखौटा पहन नगर भ्रमण करेंगी मां काली

रात 11 बजे शुरू होगी सवारी, सुबह पांच बजे विश्राम

**यूनिक समय, कोसीकलां।** मंगलवार की रात कोसी की रामलीला में मां काली की सवारी निकलेगी। रामनगर स्थित काली मंदिर के पट रात करीब 11 बजे खुलेंगे और इसके साथ ही मां काली का नगर भ्रमण शुरू होगा। चार फीट के विकराल मुखौटे, 50 किलो के श्रृंगार और हाथों में दो तलवारों के साथ मां काली नंगे पांव सड़कों पर निकलेंगी। परंपरागत लांगुरिया की ललकार और बैड-बाजों की गूंज के बीच श्रद्धालु जय मां काली के जयकारे लगाएंगे। इस आयोजन को लेकर पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। वर्ष 2018 से मां काली का स्वरूप धारण कर रहे नितेश भारद्वाज बताते हैं कि यह भूमिका केवल मुखौटा पहनने तक सीमित नहीं है। इसके लिए पूरे नवरात्र व्रत रखने,



प्रतिदिन मां की अखंड पूजा करने और ब्रह्मचर्य का कठोर पालन करने की परंपरा है। उनके अनुसार, पूरी रात चलने वाली इस सवारी में बिना रुके नगर भ्रमण करना आस्था और साधना का कठिन अनुभव है। रात करीब 11 बजे शुरू होने वाली सवारी नगर के विभिन्न मार्गों से गुजरेगी।

बैड-बाजों की धुन, लांगुरिया की ललकार और श्रद्धालुओं के जयकारों से वातावरण भक्तिमय होगा। मंगलवार रात से शुरू होने वाला यह क्रम बुधवार सुबह करीब पांच बजे भरत मिलाप चौक पर अहिरावण वध की लीला के साथ संपन्न होगा। इसके बाद मां काली विश्राम करेंगी।

## गोमती कुंड में जीवंत हुई त्रेतायुग की लीला, धू-धू जली सोने की लंका



**यूनिक समय, कोसीकलां।** गोमती कुंड सोमवार शाम त्रेतायुग की लीला का साक्षी बना। एक ओर जय श्रीराम से वातावरण गुंज रहा था, तो दूसरी ओर सरोवर के बीच बनी सोने की लंका धू-धू कर जल उठी। रामलीला संस्थान के तत्वावधान में आयोजित ऐतिहासिक भरतमिलाप मेले में

लंका दहन और डोंगा लीला के सजीव मंचन ने हजारों श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। शाम छह बजे लाला ग्यालाल स्मृति भवन से भव्य सवारी निकली। सबसे आगे वानर सेना, बीच में शिव आराधना में लीन रावण की झांकी और अशोक वाटिका में विराजमान माता सीता की सजीव झांकी

आकर्षण का केंद्र रही। सवारी भगवती मंदिर होते हुए गोमती कुंड पहुंची, जहां लंका दहन लीला का मंचन हुआ। लीला में दिखाया गया कि अशोक वाटिका में माता सीता से भेंट के दौरान हनुमान जी उन्हें प्रभु श्रीराम के शीघ्र आने का भरोसा दिलाते हैं। रावण के सैनिक हनुमान जी को पकड़कर उनकी पूंछ में आग लगा देते हैं। हनुमान जी विकराल रूप धारण कर सरोवर के बीच बनी सोने की लंका को आग के हवाले कर देते हैं। लंका धू-धू कर जलने लगती है और गोमती तट जय बजरंगबली के जयकारों से गुंज उठता है। लंका दहन के बाद हनुमान जी लौटकर प्रभु श्रीराम को चूड़ामणि सौंपते हैं। माता सीता का संदेश सुनकर श्रीराम रावण के विरुद्ध युद्ध की तैयारी करते हैं। इसके बाद मेले के

प्रमुख आकर्षण डोंगा लीला का मंचन किया गया। डोंगा लीला में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और वानर सेना नौका पर सवार होकर लंका की ओर युद्ध के लिए रवाना हुए। गोमती कुंड के मध्य नौका पर सवार रामदल का दृश्य इतना सजीव रहा कि घाटों पर मौजूद हजारों श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। जय श्रीराम के जयकारों के बीच पूरा परिसर भक्तिमय हो गया। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए। प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिसकर्मी मेले के विभिन्न स्थानों पर तैनात रहे। गोमती कुंड में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मोटरबोट और गोताखोरों की टीमें लगातार निगरानी करती रही।

## बुजुर्गों के अकेलेपन की दवा बनेंगे पंछी, बनेगा आहार कुंज

वृद्धाश्रम में 60 फीट ऊंचे टावर का भूमि पूजन

सैकड़ों घोंसले और दाना-पानी के सकोरे बनेंगे सहारा

**यूनिक समय, कोसीकलां।** बुजुर्गों के अकेलेपन को दूर करने के लिए गांव सुरवारी स्थित हरीदास शीतल छाया ट्रस्ट वृद्धाश्रम में अनूठी पहल की जा रही है। यहां 60 फीट ऊंचा विशाल आहार कुंज बनाया जा रहा है, जहां पंछियों की चहचहाहट बुजुर्गों के जीवन में खुशियां चोलेगी। रविवार को गोलोकवासी स्व.



पंछी हाउस के लिए आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते रामकिशोर अग्रवाल।

श्यामलाल सिंघल (बरौली वालों) की मधुर स्मृति में विधि-विधान से भूमि पूजन किया गया।

यह आहार कुंज बेजुबान पक्षियों के लिए



पंछी टावर के लिए हवन करते आयोजक।

आशियाना बनेगा। इसमें सैकड़ों घोंसले, दाना-पानी के सकोरे और पक्षियों के बैठने के लिए विशेष स्थान तैयार किए जाएंगे। सुबह होते ही पक्षियों की चहचहाहट से वृद्धाश्रम का वातावरण गुंजेगा।

## सुविचार



"क्रोध हवा का एक ऐसा झोंका है जो बुद्धिमत्ता के दिए को बुझा देता है।"

## कल का पंचांग

|              |                   |                |                |             |
|--------------|-------------------|----------------|----------------|-------------|
| तिथि         | नवमी              | 10:52-12:50 तक | पक्ष           | शुक्ल पक्ष  |
| नक्षत्र      | श्रवण             | 03:38-06:02 तक | माह            | आश्विन      |
| सूर्योदय     |                   | 6:22 AM        | चन्द्रोदय      | 02:19 PM    |
| सूर्यास्त    |                   | 5:46 PM        | चन्द्रास्त     | 01:25 AM    |
| सूर्य राशि   | तुला राशि         |                | चंद्र          | मकर राशि    |
| शुभ मुहूर्त  | 11:51AM-12:41 PM  |                | ब्रह्म मुहूर्त | 04:36-05:25 |
| त्योहार/व्रत |                   |                | विक्रम संवत्   | 2083        |
| राहुकाल      | 02:55 PM-04:21 PM |                | वार            | मंगलवार     |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : <https://youtube.com/uniquesamay>

# मंदिर के भंडारे में इन चीजों का दान माना जाता है शुभ



**यूनिक समय, मथुरा।** मंदिरों में आयोजित भंडारा धार्मिक आस्था के साथ सेवा, सहयोग और परोपकार का भी प्रतीक है। इसमें जरूरतमंदों को भोजन करना और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करना पुण्य का कार्य माना जाता है। भंडारे को सफल बनाने के लिए लोग अपनी श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न वस्तुओं का दान करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भंडारे में कुछ चीजों का दान विशेष महत्व रखता है। भंडारे में अनाज का दान सबसे



महत्वपूर्ण माना जाता है। चावल, गेहूं, आटा और दाल जैसी वस्तुएं भोजन तैयार करने में उपयोगी होती हैं। इनका दान करने से आयोजन में सहयोग मिलता है और अधिक लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा सकती है। सब्जियां और फल भी भंडारे के लिए उपयोगी सामग्री हैं। ताजी सब्जियों से भोजन तैयार किया जाता है, जबकि फल प्रसाद के रूप में वितरित किए जा सकते हैं। श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार इन

वस्तुओं का योगदान दे सकते हैं। भोजन बनाने में घी, तेल और मसालों की जरूरत होती है। ऐसे में इन सामग्रियों का दान भी भंडारे की व्यवस्था को आसान बनाता है। इसी तरह दूध, चीनी और मिठाई बनाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री का योगदान भी उपयोगी माना जाता है। भंडारे में स्टील के बर्तनों का दान भी किया जा सकता है। प्लेट, कटोरी, गिलास और अन्य उपयोगी बर्तन बार-बार इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इससे आयोजन में सुविधा होती है और एक बार इस्तेमाल होने वाले बर्तनों से होने वाला

अन्नदान से लेकर स्वच्छ जल तक, हर योगदान का विशेष महत्व

श्रद्धा और सामर्थ्य के अनुसार दान से बढ़ती सेवा भावना

कचरा कम किया जा सकता है। इसके अलावा, पीने के साफ पानी की व्यवस्था करना भी सेवा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भंडारे में आने वाले लोगों को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराना जरूरी है, खासकर गर्म मौसम में। धार्मिक मान्यताओं में अन्नदान को विशेष महत्व दिया गया है। हालांकि, दान हमेशा अपनी सामर्थ्य के अनुसार करना चाहिए। भंडारे के दौरान भोजन की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता और भोजन की बर्बादी रोकने पर ध्यान देना भी जरूरी है। सच्ची सेवा वही है, जिसमें श्रद्धा के साथ जरूरतमंदों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाए।

**JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL**

मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध

**हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर**

|                                                                                           |                                                                              |                                                                                                                    |
|-------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>डॉ. अनिल कुमार गौतम</b><br>M.B.B.S, M.D., MEDICINE<br>(CONSULTANT PHYSICIAN)           | <b>डॉ. दुर्गेश कुमार</b><br>M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR.<br>JOINT REPLACEMENT | <b>डॉ. वी. के. पांडे</b><br>M.B.B.S, M.S. Ortho                                                                    |
| <b>डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान</b><br>M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON                          | <b>डॉ. इला अग्रवाल</b><br>M.B.B.S, M.S. Ortho                                | <b>डॉ. एकता थडानी</b><br>M.B.B.S., DNB. (OBGY)                                                                     |
| <b>डॉ. सी. एम. मवार</b><br>M.B.B.S. DVD. MIADVI                                           | <b>डॉ. नितेश ज़िंदल</b><br>MBBS, MD, MEDICINE                                | <b>डॉ. नरेश अग्रवाल</b><br>M.B.B.S., D.C.H                                                                         |
| <b>डॉ. अर्पण मोर्य</b><br>M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S<br>F.I.A.G.E.S GERASER SURGO & | <b>डॉ. मनदीप यादव</b><br>D.P.T B.P.T                                         | <b>डॉ. चेतना अग्रवाल</b><br>B.D.S., MIDA                                                                           |
| <b>डॉ. हरि प्रसाद</b><br>(B.H.M.S) CONSULTANT<br>HOMOEOPATH                               | <b>डॉ. एम. माहेश्वरी</b><br>M.B.B.S. (MS)<br>OPHTHALMOLOGY                   | <b>आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत</b><br><b>₹ 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार</b><br>आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है |

**आपातकालीन मो.नं. 7078877006**  
**8650777901, 8953925593**  
**Maholi Link Road, Mathura (U.P.)**

## कुम्भकरण और मेघनाद वध सुलोचना सती का मंचन



रामलीला मंचन के दौरान मेघनाथ का वध करते लक्ष्मण।

**यूनिक समय, मथुरा।** श्री रामलीला सभा के तत्वावधान में रामलीला मैदान और चित्रकूट लीला मंच पर कुम्भकरण वध, मेघनाद वध और सुलोचना सती की लीलाओं का मंचन किया गया। कलाकारों ने सजीव अभिनय से दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

प्रसाद सेवा अजय और अंकित नमकीन वाले ने की। लीला में गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, जयन्ती प्रसाद अग्रवाल, नन्दकिशोर अग्रवाल, जुगलकिशोर अग्रवाल, मूलचन्द गर्ग, प्रदीप सर्राफ पीके, विजय सर्राफ किरोड़ी, शैलेश सर्राफ, अजय मास्टर,

## कल होगा अहिरावण रावण वध और पुतला दहन

पं. शशांक पाठक, संजय बिजली, अनूप टेंट, पं. अमित भारद्वाज, शैलेन्द्र, हकीम, गोपाला चतुर्वेदी, रामगोपाल शर्मा, उमेश बिजली, विष्णु शर्मा और किस्सो शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

20 अक्टूबर को शाम चार बजे से रामलीला मैदान में अहिरावण व रावण वध की लीला और दोनों के पुतलों का दहन होगा।

## विजयदशमी पर नीलकंठ के दर्शन होना माना जाता है बेहद शुभ

**यूनिक समय, मथुरा।** दशहरा यानी विजयादशमी का पर्व 20 अक्टूबर 2026 को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन नीलकंठ पक्षी के दर्शन करना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इसके दर्शन से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और कार्यों में सफलता मिलती है। हिंदू परंपराओं में नीलकंठ पक्षी को सौभाग्य, विजय और शुभता का प्रतीक माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि विजयादशमी पर नीलकंठ के दर्शन होने से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है। इसी वजह से दशहरे पर इस पक्षी को देखना मंगलकारी माना जाता



है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, नीलकंठ के

## दशहरे पर नीलकंठ दिखना किस बात का संकेत है

### भगवान शिव की कृपा और सफलता से जुड़ी है मान्यता

दर्शन होने पर भगवान शिव का स्मरण करके सुख-समृद्धि की कामना करनी चाहिए। हालांकि, इन मान्यताओं की वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है। दशहरे का मुख्य संदेश बुराई पर अच्छाई की जीत और सकारात्मक शुरुआत है। नीलकंठ को देखने के लिए उसे परेशान न करें और प्रकृति का सम्मान करें।

# दशहरा: 20 या 21 अक्टूबर, कब मनाई जाएगी विजया दशमी

**यूनिक समय, मथुरा।** दशहरा यानी विजयादशमी की तारीख को लेकर इस साल लोगों के बीच असमंजस है। कोई 20 अक्टूबर को पर्व मनाने की तैयारी कर रहा है, तो कहीं 21 अक्टूबर को विजया दशमी मनाने की बात कही जा रही है। पंचांग और क्षेत्रीय परंपराओं के अनुसार, उत्तर भारत में दशहरा 20 अक्टूबर, मंगलवार को मनाया जाएगा, जबकि पश्चिम बंगाल, ओडिशा और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में 21 अक्टूबर, बुधवार को विजया दशमी के कार्यक्रम होंगे।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन



मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को विजयादशमी मनाई जाती है। यह पर्व

बुराई पर अच्छाई और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। उपलब्ध

## उत्तर भारत में 20 अक्टूबर को होगा दशहरा

### पूर्वी भारत में 21 अक्टूबर को मनाई जाएगी विजया दशमी

पंचांग विवरण के अनुसार, दशमी तिथि 20 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 50 मिनट से शुरू होकर 21 अक्टूबर को दोपहर 2 बजकर 11 मिनट तक रहेगी। अलग-अलग क्षेत्रों में तिथि निर्धारण की परंपरा के कारण पर्व मनाने

की तारीख में अंतर दिखाई देता है।

नई दिल्ली के लिए 20 अक्टूबर को विजयादशमी का शुभ विजय मुहूर्त दोपहर 1 बजकर 59 मिनट से 2 बजकर 45 मिनट तक बताया गया है। वहीं, अपराह्न पूजा का समय दोपहर 1 बजकर 14 मिनट से 3 बजकर 30 मिनट तक रहेगा।

इस दिन अपराजिता देवी की पूजा और आयुध पूजा भी की जाती है। कई परिवार अपने औजारों, पुस्तकों, वाहनों और कार्य से जुड़ी वस्तुओं की पूजा करते हैं। दशहरे पर रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन

परंपरागत रूप से प्रदोष काल में किया जाता है। दिल्ली के लिए रावण दहन का संभावित समय शाम 5 बजकर 47 मिनट से 6 बजकर 12 मिनट तक बताया गया है। प्रदोष काल शाम 5 बजकर 47 मिनट से रात 8 बजकर 17 मिनट तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान श्रीराम की रावण पर विजय और देवी दुर्गा की महिषासुर पर विजय इस पर्व से जुड़ी है। अपने क्षेत्र की पंचांग परंपरा और स्थानीय आयोजन समिति के समय के अनुसार पूजा और रावण दहन की योजना बनाएं।



## सम्पादकीय



## महंगाई ने छिनी थाली की रोटी, सपनों पर भी पहरा

महंगाई अब महज आंकड़ों का खेल नहीं रह गई है, यह आम आदमी की जिंदगी में उतर आया वह संकट है, जो हर महीने उसकी कमाई का दम निकाल रहा है। कभी जिस वेतन से घर का खर्च, बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की दवा और भविष्य की थोड़ी बचत हो जाती थी, आज उसी कमाई में महीने का आखिरी सप्ताह निकालना भी चुनौती बनता जा रहा है। बाजार में सामान की कीमतें देखकर जेब कांपती है और घर लौटते समय चेहरे पर चिंता साफ दिखाई देती है। सवाल है कि आखिर मेहनत करने वाला आदमी कब तक अपनी जरूरतों का गला घोटकर जिंदगी

पवन गौतम  
संपादक

चलाएगा? रसोई का बजट बिगड़ता है तो सबसे पहले थाली छोटी होती है। कहीं सब्जी की मात्रा घटती है, कहीं फल खरीदना टलता है, तो कहीं बच्चों की पसंद को यह कहकर टाल दिया जाता है कि अगले महीने ले देंगे। इन छोटे-छोटे फैसलों के पीछे एक माता-पिता की बेबसी छिपी होती है। बच्चों की मांग पूरी न कर पाने का दर्द किसी सरकारी आंकड़े में दर्ज नहीं होता। महीने के अंत में खाली

बटुआ और अधूरी जरूरतें उस परिवार की कहानी कहते हैं, जो ईमानदारी से काम करता है, फिर भी चैन से जीने की गारंटी नहीं पा रहा। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का असर परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ सकता है। माल ढुलाई महंगी होने पर रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी दबाव बढ़ता है।

लेकिन आम आदमी के लिए यह अर्थशास्त्र का सिद्धांत नहीं, रोज की खरीदारी का हिसाब है। बस का किराया, स्कूल तक पहुंचने का खर्च और बाजार से राशन लाने की लागत बढ़े तो सीमित आय वाला परिवार आखिर कटौती कहां करे? उसकी कमाई खर नहीं, जिसे जरूरत पड़ने पर खींचकर लंबा कर दिया जाए। सबसे कड़वी सच्चाई यह है कि महंगाई का बोझ सब पर बराबर नहीं पड़ता। संपन्न परिवार अपनी कुछ सुविधाएं छोड़कर रास्ता निकाल सकता है, लेकिन दिहाड़ी मजदूर, निम्न वेतनभोगी और छोटे दुकानदार के पास विकल्प सीमित हैं। उनकी आय बढ़ने की रफ्तार यदि जरूरी खर्चों से पीछे रह जाए, तो बचत खत्म होती है और कर्ज का सहारा लेना पड़ता है। सरकार की जिम्मेदारी केवल महंगाई के आंकड़े गिनना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक परेशानियों को समझना भी है। ईंधन की कीमतों, खाद्य आपूर्ति, जमाखोरी और बाजार की निगरानी पर प्रभावी कदम जरूरी हैं। लक्षित सहायता और रोजगार के अवसर भी राहत पहुंचा सकते हैं। आखिर आम आदमी विलासिता नहीं मांग रहा। वह चाहता है कि उसकी मेहनत की कमाई से घर चले, बच्चे सम्मान से पढ़ें और बीमारी आने पर इलाज के लिए कर्ज न लेना पड़े। जिस देश में मेहनतकश परिवार अपनी थाली भरने के लिए रोज हिसाब लगाने लगे, वहां महंगाई केवल आर्थिक समस्या नहीं, सामाजिक चेतावनी भी है। जनता को आशवासन नहीं, ऐसी राहत चाहिए जो बाजार में दिखाई दे और महीने के अंत में उसकी जेब में भी बची रहे।



संपादकीय सुनने के लिए  
मोबाइल से QR कोड  
को स्कैन करें।

## विचार विंडो

ललित गर्ग

दशहरा केवल रावण दहन, आतिशबाजी और उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने और जीवन को नई दिशा देने का अवसर है। हर साल मैदानों में रावण के विशाल पुतले जलते हैं, लोग जय श्रीराम के उद्घोष के साथ असत्य पर सत्य की विजय का उत्सव मनाते हैं, लेकिन एक सवाल फिर भी खड़ा रहता है कि क्या हमारे भीतर बैठी बुराइयां भी उतनी ही आसानी से समाप्त हो जाती हैं? यदि ऐसा नहीं होता, तो विजयादशमी का वास्तविक संदेश समझने की जरूरत है। भारतीय संस्कृति में यह पर्व शौर्य, साधना, सदाचार और नवसंकल्प का प्रतीक है, जो बताता है कि सबसे बड़ी विजय दूसरों को हराने में नहीं, बल्कि अपनी कमजोरियों पर काबू पाने में है।

भगवान श्रीराम की रावण पर विजय रामायण का ऐसा प्रसंग है, जो युगों से भारतीय जनमानस को प्रेरित करता आया है। रावण विद्वान था, शक्तिशाली था और उसके पास अपार वैभव भी था, लेकिन उसका अहंकार और अतैत्तिक आचरण उसके पतन का कारण बना। दूसरी ओर, श्रीराम ने कठिन परिस्थितियों में भी मर्यादा, सत्य और कर्तव्य का साथ नहीं छोड़ा। यही इस कथा की सबसे बड़ी सीख है

कि ज्ञान तभी उपयोगी है, जब उसके साथ विवेक हो, शक्ति तभी कल्याणकारी है, जब उस पर मर्यादा का नियंत्रण हो और सफलता तभी सार्थक है, जब उसमें नैतिकता का आधार हो। रावण का अंत केवल एक राजा की पराजय नहीं, बल्कि अहंकार के विरुद्ध मर्यादा की विजय का प्रतीक है।

विजयादशमी का संबंध मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र की नौ दिनों की साधना के बाद दसवें दिन विजय का उत्सव मनाना इस विश्वास को मजबूत करता है कि संघर्ष, धैर्य और आत्मबल से कठिन चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। मां दुर्गा की शक्ति हमें सिखाती है कि अन्याय के सामने चुप रहना समाधान नहीं है। हालांकि, शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल या दूसरों पर प्रभुत्व जमाना नहीं, बल्कि अपने भीतर साहस, संयम और विवेक पैदा करना भी है। जहां अन्याय के खिलाफ खड़े होने का साहस हो और कमजोरों के प्रति संवेदना बनी रहे, वहीं शक्ति का सच्चा स्वरूप दिखाई देता है।

रावण के दस सिरों को काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी बुराइयों का प्रतीक मानकर भी देखा जाता है। इन बुराइयों का प्रभाव आज



भी व्यक्ति और समाज के जीवन में दिखाई देता है। ईर्ष्या रिश्तों में दरार डालती है, लालच विश्वास को कमजोर करता है और अहंकार मनुष्य को अपनी गलतियों स्वीकार करने से रोकता है। भ्रष्टाचार और छल सार्वजनिक जीवन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में रावण दहन तभी सार्थक होगा, जब हम अपने व्यवहार में बदलाव लाने का प्रयास करें। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने के बजाय उससे प्रेरणा लेना, गलती होने पर उसे स्वीकार करना और अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी निभाना आत्मविजय की शुरुआत है।

दशहरे की एक महत्वपूर्ण परंपरा शस्त्र पूजा भी है। इसका व्यापक संदेश शक्ति का सम्मान करने और उसका जिम्मेदारी से उपयोग करने में निहित है। आज के दौर में ज्ञान,

## नजरिया



## सुप्रीम कोर्ट का दो टूक संदेश, सियासी अखाड़ा नहीं बनेगी अदालत

बोध प्रकाश सगुणी

देश की सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में राजनीतिक लड़ाई लड़ने और संवैधानिक न्याय पाने के रास्ते अलग-अलग हैं। सुप्रीम कोर्ट किसी राजनीतिक दल की रणनीति का हिस्सा नहीं बन सकता और न ही उसे सत्ता पक्ष तथा विपक्ष के बीच चल रही राजनीतिक खींचतान का मंच बनाया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत का विपक्षी नेताओं से मुलाकात नहीं करने का फैसला इसी संवैधानिक मर्यादा की ओर संकेत करता है। उनका संदेश साफ है कि अदालत के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं, लेकिन न्याय की मांग निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत ही की जा सकती है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरेगे ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था। वे कथित वोट चोरी, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर रोक लगाने और दोबारा मतपत्र प्रणाली अपनाने जैसे मुद्दों पर ज्ञापन सौंपना चाहते थे। हालांकि, संबंधित विषयों के अदालत में विचारधीन होने के कारण मुख्य न्यायाधीश ने मुलाकात को उचित नहीं माना और नेताओं को कानूनी रास्ता अपनाने की सलाह दी।

इस फैसले को केवल विपक्ष की मांग टुकड़ाने के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का तकाजा है कि न्यायाधीश किसी भी पक्ष के साथ ऐसी अनौपचारिक चर्चा से बचें, जिससे निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने की गुंजाइश बने। यदि किसी राजनीतिक दल के प्रतिनिधिमंडल को न्यायिक प्रक्रिया से बाहर विशेष मुलाकात मिलती है, तो दूसरे पक्ष भी इसी तरह की अपेक्षा कर सकते हैं। इससे न्यायिक व्यवस्था की निष्पक्षता पर अनावश्यक विवाद पैदा हो सकता है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मीडिया के सामने आकर भी अपनी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे हर नागरिक और निर्वाचित प्रतिनिधि के लिए खुले हैं। कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा खटखटा सकता है और कानून के अनुसार उसकी बात सुनी जाएगी। इस संदेश का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि अदालत ने शिकायत करने के अधिकार को नकारा नहीं, बल्कि उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया पर जोर दिया। भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। सरकार की नीतियों पर सवाल उठाना, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करना और संवैधानिक संस्थाओं की जवाबदेही सुनिश्चित करना विपक्ष का अधिकार है। लेकिन किसी आरोप को सिद्ध करने के लिए राजनीतिक भाषण पर्याप्त नहीं होते। उसके समर्थन में तथ्य, दस्तावेज और कानूनी आधार प्रस्तुत करना आवश्यक है। इसी तरह, सत्ता पक्ष के लिए भी जरूरी है कि वह विपक्ष की हर शिकायत को राजनीतिक हथकंडा बताकर खारिज न करे। लोकतंत्र की मजबूती आरोपों को दबाने में नहीं, बल्कि उनकी निष्पक्ष जांच और उचित समाधान में है। मुख्य न्यायाधीश का प्रेस के सामने आना भी चर्चा का विषय बना, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट सामान्यतः अपने फैसलों, आदेशों और आधिकारिक सूचनाओं के जरिए अपनी स्थिति सामने रखता है। भारतीय न्यायिक इतिहास में न्यायाधीशों की प्रेस कॉन्फ्रेंस असाधारण घटनाएं रही हैं। 12 जनवरी 2018 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के कार्यकाल में चार वरिष्ठ न्यायाधीशों—जे. चेलामेश्वर, रंजन गोगोई, मदन बी. लोकूर और कुरियन जोसेफ—ने सार्वजनिक रूप से न्यायालय के प्रशासनिक कामकाज तथा मामलों के आवंटन से जुड़े सवाल उठाए थे। उस घटना ने न्यायपालिका की आंतरिक कार्यप्रणाली पर देशव्यापी बहस छेड़ दी थी। मौजूदा घटना क्रम का संदर्भ अलग है। यहां मुख्य उद्देश्य मुलाकात से इनकार के कारणों को स्पष्ट



करना और संभावित गलतफहमी दूर करना बताया गया। न्यायपालिका के लिए यह जरूरी है कि वह अपनी स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सार्वजनिक विश्वास को भी मजबूत करे। हालांकि, प्रेस के सामने दिया गया बयान न्यायिक आदेश का विकल्प नहीं हो सकता। विवादों का अंतिम समाधान अदालत की सुनवाई, उपलब्ध साक्ष्यों और कानून की व्याख्या से ही होना चाहिए। मुलाकात नहीं मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने पैदल मार्च किया और रिट याचिका दायर करने का रास्ता अपनाया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिका में शामिल हैं। चुनाव आयोग और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी पक्षकार बनाया गया है। अब मामले का महत्व इस बात से तय होगा कि याचिकाकर्ता अपनी मांगों के समर्थन में क्या कानूनी तर्क और प्रमाण प्रस्तुत करते हैं तथा अदालत उन पर क्या निर्णय देती है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पद से हटाने का विषय भी संवैधानिक प्रक्रिया से जुड़ा है। किसी पदाधिकारी को राजनीतिक असहमति या सार्वजनिक मांग के आधार पर स्वतः पद से नहीं हटाया जा सकता। इसके लिए निर्धारित कानूनी और संवैधानिक प्रावधानों का पालन जरूरी है। इसलिए इस्तीफे की राजनीतिक मांग और पद से हटाने की औपचारिक प्रक्रिया में अंतर समझना आवश्यक है। इसी तरह, एसआईआर या चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठाए गए सवालों का मूल्यांकन भी तथ्यों और कानून के आधार पर होना चाहिए।

पहले भी सुप्रीम कोर्ट चुनावी व्यवस्था और जांच एजेंसियों से जुड़े मामलों में राजनीतिक दलों की याचिकाओं पर निर्णय दे चुका है। नवंबर 2024 में चुनावों में ईवीएम से कथित छेड़छाड़ संबंधी एक याचिका खारिज की गई थी। अप्रैल 2023 में विपक्षी दलों की ओर से सीबीआई और ईडी की कार्यवाही को लेकर अलग दिशा-निर्देश बनाने की मांग पर भी अदालत ने राहत नहीं दी थी। इन उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि अदालत किसी मांग को केवल राजनीतिक समर्थन या विरोध के आधार पर स्वीकार नहीं करती, बल्कि उसके कानूनी आधार को परखती है। अंततः सुप्रीम कोर्ट की जिम्मेदारी किसी राजनीतिक दल को जिताना या हराना नहीं, बल्कि संविधान की रक्षा करना है। विपक्ष को अपनी शिकायतों के लिए न्यायिक रास्ता अपनाना चाहिए और सरकार को संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए। न्यायपालिका को भी प्रत्येक मामले में निष्पक्षता और कानून के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी। जनता को यह समझना चाहिए कि लोकतंत्र में राजनीतिक फैसले मतदाता करते हैं, जबकि कानूनी विवादों का निपटारा अदालत करती है। दोनों भूमिकाओं का सम्मान ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की असली ताकत है।

## दशहरा: रावण के पुतले नहीं, भीतर की बुराइयां जलाएं

शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, श्रम और विवेक भी हमारी शक्तियां हैं। इनका इस्तेमाल यदि मानवता की भलाई और राष्ट्र की प्रगति के लिए किया जाए, तो यही आधुनिक युग की सार्थक विजय होगी। विद्यार्थी के लिए ज्ञान उसका शस्त्र है, किसान के लिए मेहनत उसकी शक्ति है और समाज के लिए ईमानदारी उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। विजयादशमी हमें निष्क्रियता छोड़कर कर्म करने, अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लेने की प्रेरणा देती है।

इस पर्व का संबंध प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से भी गहरा है। शमी वृक्ष की पूजा, नए कार्यों का शुभारंभ और समृद्धि की कामना जैसी परंपराएं प्रकृति के प्रति श्रद्धा का संदेश देती हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का परिणाम है। आज पर्यावरण प्रदूषण, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन जैसी चुनौतियों के बीच दशहरा हमें याद दिलाता है कि प्रकृति की रक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। उत्सव की सार्थकता तभी बढ़ेगी, जब हम स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

देश के अलग-अलग हिस्सों में दशहरा

विभिन्न परंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण दहन होता है, तो कहीं दुर्गापूजा के बाद विजयादशमी का उल्लास दिखाई देता है। इन विविधताओं में सत्य, साहस, सद्भाव और मंगल की कामना का साझा सूत्र मौजूद है। आज समाज को भी इसी भावना की आवश्यकता है। जातीय विद्वेष, हिंसा, भ्रष्टाचार और स्वार्थ की राजनीति जैसी प्रवृत्तियों से ऊपर उठकर ही सामाजिक विश्वास मजबूत किया जा सकता है। इसके लिए केवल उपदेश नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आचरण और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी जरूरी है। इस विजयादशमी पर संकल्प लें कि हम केवल मैदान में खड़े रावण का पुतला नहीं जलाएंगे, बल्कि अपने भीतर पल रहे अहंकार, छल, ईर्ष्या और स्वार्थ को भी पहचानेंगे। सत्य को व्यवहार में उतारेंगे, कमजोरों की सहायता करेंगे और अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार रहेंगे। याद रखें, असली विजय वह नहीं जो आतिशबाजी की रोशनी में कुछ पल चमके, बल्कि वह है जो हमारे विचारों, संस्कारों और कर्मों में स्थायी उजाला भर दे। रावण का पुतला हर साल जलता है, लेकिन सच्चा दशहरा तब होगा, जब अच्छाई हमारे आचरण में और मर्यादा हमारे जीवन में दिखाई देगी।

# 22 अक्टूबर को मैदान में उतरेगी टीम इंडिया, न्यूजीलैंड से होगा मुकाबला

श्रेयस अय्यर संभालेंगे भारतीय टीम की कमान पांच मैचों की सीरीज के बाद वनडे और टेस्ट मुकाबलों में भी होगी भिड़ंत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी20 सीरीज समाप्त होने के बाद अब टीम इंडिया न्यूजीलैंड दौरे की तैयारी में जुट गई है। भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज खेलनी है। इसका पहला मुकाबला 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में आयोजित होगा। इसके बाद



दोनों टीमों के बीच चार और टी20 मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम की कोशिश इस दौरे की शुरुआत जीत के साथ करने की होगी। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार भी भारतीय टीम का हिस्सा हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ आखिरी मुकाबले में भी खेलने का मौका मिला था, लेकिन बारिश

के कारण वह मैच पूरा नहीं हो सका था। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके प्रदर्शन पर भी नजर रहेगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 मुकाबला 24 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। सीरीज का तीसरा मैच 27 अक्टूबर को वेलिंग्टन, चौथा मुकाबला 30 अक्टूबर

को ऑकलैंड और पांचवां तथा आखिरी टी20 मैच एक नवंबर को हैमिल्टन में आयोजित होगा।

इसके बाद चार नवंबर से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। भारतीय टी20 टीम में श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, प्रिस यादव, मयंक यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव शामिल हैं। वहीं, अनुभवी खिलाड़ियों पर टीम को जीत दिलाने की जिम्मेदारी रहेगी। पांच मैचों की इस सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है।

## चार दिन में 400 करोड़ पार हुई 'जेलर-2', 'धुरंधर-2' का रिकॉर्ड टूटा



रजनीकांत की फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर धमाका दुनियाभर में शानदार कमाई के बाद अब 500 करोड़ पर नजर

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर-2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिलीज के महज चार दिनों में फिल्म ने दुनियाभर में 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है और पहले वीकेंड में ही इसकी कमाई ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। फिल्म की रफ्तार को देखते हुए अब सबकी नजरे इसके 500 करोड़

रुपये के आंकड़े पर टिकी है। 'जेलर-2' की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि रजनीकांत का स्टारडम आज भी बरकरार है। सिनेमाघरों में इसकी मजबूत पकड़ और शानदार कमाई ने इसे साल की चर्चित फिल्मों में शामिल कर दिया है। फिल्म की कमाई को लेकर सामने आई रिपोर्ट के मुताबिक, इसने 'धुरंधर-2' के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है त्बार दिनों में 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद अब फिल्म के सामने 500 करोड़ रुपये तक पहुंचने की चुनौती है। आने वाले दिनों में इसकी कमाई किस रफ्तार से आगे बढ़ती है, यह देखना दिलचस्प होगा। अगर फिल्म का यही प्रदर्शन जारी रहा, तो रजनीकांत की 'जेलर-2' बॉक्स ऑफिस पर एक और बड़ा मुकाम हासिल कर सकती है।

## टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में तीन आरोपी गिरफ्तार

जुहू में अभिनेता की बीएमडब्ल्यू पर चली थी सात गोलियां

राजस्थान के कोटा से पकड़े गए आरोपी



**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर मुंबई के जुहू इलाके में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने राजस्थान के कोटा से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि आरोपी दिल्ली जाने वाली ट्रेन से फरार होने की तैयारी में थे, तभी उन्हें पकड़ लिया गया। अब मुंबई क्राइम ब्रांच उन्हें ट्रिजिट रिमांड पर लेकर पूछताछ करने की तैयारी में है। इस घटना में टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए थे, जबकि उनके ड्राइवर और एक ऑटो रिक्शा चालक के घायल होने की जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम फुटबॉल खेलने के बाद टाइगर श्रॉफ जुहू से निकल रहे थे, तभी मोटोसाइकिल सवार हमलावरों ने उनकी कार पर सात राउंड फायरिंग

की। चारदात से पहले आरोपियों ने करीब 45 मिनट तक अभिनेता का इंतजार किया था। पुलिस ने हमले में इस्तेमाल की गई पीले रंग की पल्सर बाइक भी बरामद की है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि हमले की साजिश रचने वाले मास्टरमाइंड महाराष्ट्र के बाहर या विदेश में हो सकते हैं। पुलिस अन्य राज्यों और केंद्र सरकार के सहयोग से उनकी तलाश करेगी। वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने टाइगर श्रॉफ से मुलाकात कर सुरक्षा का भरोसा दिया। पुलिस अब हमले के पीछे की वजह और सोशल मीडिया पर किए गए जिम्मेदारी के दावों की भी जांच कर रही है।

## पति के निधन के बाद अरुणा ईरानी का छलका दर्द

अभिनेत्री ने फैंस का जताया आभार

बोली-आखिरी सांस तक इसी तरह मेरा साथ देना



**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिग्गज अभिनेत्री अरुणा ईरानी पति और फिल्ममेकर कुकू कोहली के निधन के बाद मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना पहला वीडियो साझा किया, जिसमें वह भावुक नजर आईं। अभिनेत्री ने इस कठिन समय में प्यार और समर्थन देने के लिए अपने प्रशंसकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि फैंस के हौसले ने उन्हें दोबारा काम शुरू करने की ताकत दी है। अरुणा ने उम्मीद जताई कि उनके चाहने वाले जिंदगी की आखिरी सांस तक इसी तरह उनका साथ निभाते रहेंगे। कुकू कोहली का 77 साल की उम्र में निधन हो गया था। उन्हें अभिनेता अजय देवगन को फिल्म 'फूल और कांटे' से लॉन्च करने के लिए खास तौर पर याद किया जाता है। जानकारी के

मुताबिक, तबीयत बिगड़ने और दिल का गंभीर दौरा पड़ने के बाद 25 अगस्त को उनका निधन हुआ था। अगले दिन उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहां अरुणा ईरानी काफी भावुक दिखाई दी थीं। कुकू कोहली ने 'सुहाग', 'हकीकत', 'कोहराम' और 'अनाड़ी नंबर-1' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया था। वहीं, अरुणा ईरानी ने 'कारवां', 'बेटा' और 'राजा बाबू' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। उन्होंने फिल्मों के अलावा टेलीविजन में भी काम किया है। पति के जाने के बाद अभिनेत्री का यह भावुक संदेश उनके प्रशंसकों के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दिखाता है।

## वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट न खेलें बुमराह, रवि शास्त्री ने दी सलाह

पूर्व भारतीय कोच ने टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने की बात कही

न्यूजीलैंड दौरे पर शुभमन गिल की कप्तानी की भी होगी परीक्षा



**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड मैनेजमेंट को लेकर अहम सलाह दी है। उनका मानना है कि बुमराह को अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक तीनों फॉर्मेट में लगातार नहीं खेलना चाहिए। शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम को बुमराह को टेस्ट क्रिकेट के लिए प्राथमिकता देनी चाहिए और वनडे तथा टी20 इंटरनेशनल में उनका

इस्तेमाल जरूरत के मुताबिक ही करना चाहिए। इससे उनके चोटिल होने का खतरा कम किया जा सकेगा और टीम को लंबे समय तक उनकी सेवाएं मिल सकती हैं। शास्त्री ने कहा कि बुमराह भारतीय टीम के बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं और उन्हें टेस्ट मैचों के लिए सुरक्षित रखना जरूरी है।

न्यूजीलैंड दौरे पर बुमराह दो टेस्ट मैचों की सीरीज में खेलेंगे। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से काफी अहम मानी जा रही है। न्यूजीलैंड की घरेलू परिस्थितियों में मेजबान टीम को हराना आसान नहीं होगा। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ कप्तान शुभमन गिल

की रणनीति पर भी सबकी नजरे रहेंगी। गिल ने 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 754 रन बनाकर अपनी नेतृत्व क्षमता साबित की थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ उनका दूसरा विदेशी टेस्ट दौरा एक नई चुनौती होगा। वहीं, शास्त्री ने अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के चयन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अनुभव का कोई विकल्प नहीं है और आईपीएल में उनके प्रदर्शन को देखते हुए वह न्यूजीलैंड की परिस्थितियों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। ऋषभ पंत को भी शास्त्री ने मैच की स्थिति समझकर खेलने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पंत को अपना स्वाभाविक आक्रामक अंदाज नहीं छोड़ना चाहिए, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार फैसले लेना भी जरूरी है। न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत 22 अक्टूबर से होगी।

## शैफाली वर्मा ने तोड़ा स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड



जिम्बाब्वे के खिलाफ 25 गेंदों में ठोके 55 रन भारत ने आठ विकेट से जीतकर सीरीज पर किया कब्जा

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर शैफाली वर्मा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी करते हुए दो बड़े रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। उन्होंने अपनी कप्तान स्मृति मंधाना का रिकॉर्ड तोड़ने के साथ दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ट्स को भी पीछे

छोड़ दिया। शैफाली ने इस मुकाबले में सिर्फ 25 गेंदों पर 55 रन बनाए, जिसमें छह चौके और चार छके शामिल रहे। यह इस साल टी20 इंटरनेशनल में उनका नौवां 50 प्लस स्कोर है। इससे पहले 2024 में स्मृति मंधाना ने एक साल में आठ बार 50 से अधिक रन बनाए थे। अब शैफाली उनसे आगे निकल गई हैं। इसके अलावा शैफाली महिला टी20 इंटरनेशनल में साल 2026 की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। जवाब में भारत ने 8.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मंधाना ने भी 25 गेंदों पर 47 रन बनाए। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज अपने नाम कर ली। टीम इंडिया ने इस साल 26 टी20 मुकाबलों में 17 जीत दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया है।

सेल्फी का शौक बना हादसे की वजह

# वाराणसी में चार दोस्तों की मौत

**यूनिक समय, वाराणसी।** प्रयागराज—वाराणसी राजमार्ग पर सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी दोस्त विंध्याचल धाम में दर्शन करने के बाद वाराणसी लौट रहे थे। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर गांव के पास ओवरब्रिज पर उन्होंने अपनी स्कॉर्पियो रोक दी और तस्वीरें खींचने के लिए बाहर निकल आए। इसी दौरान पीछे से आए ट्रक ने उनकी गाड़ी और वहां मौजूद लोगों को टक्कर मार दी।

हादसा सुबह करीब छह बजे हुआ। टक्कर के बाद दो युवक पुल से नीचे जा गिरे, जबकि अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में स्कॉर्पियो भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मृतकों के शव



पोस्टमार्टम के लिए भेजे।

मृतकों की पहचान आनंद यादव (25), आलोक मिश्रा (30), प्रदीप सिंह (36) और विद्वांशु यादव (30) के रूप में हुई है। घायलों का उपचार ट्रामा सेंटर में चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक, दोस्त निखिल के जन्मदिन के अवसर पर

सभी विंध्याचल धाम दर्शन करने गए थे। वहां पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने तस्वीरें भी खिंचवाई थीं। लौटते समय ओवरब्रिज पर रुकना उनके लिए दुखद साबित हुआ। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय सभी लोग गाड़ी से बाहर थे।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो

विंध्याचल से दर्शन कर लौट रहे थे दोस्त

ओवरब्रिज पर खड़ी गाड़ी को ट्रक ने मारी टक्कर

जन्मदिन पर विंध्याचल गए थे सभी दोस्त

गया। घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की जांच की जा रही है। हादसे की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलने पर चंदौली के सांसद वीरेंद्र सिंह पोस्टमार्टम गृह पहुंचे और शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी।

# सात दिन तक प्रदेश में बारिश के आसार नहीं



**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल रहा है। लखनऊ समेत प्रदेश के कई जिलों में सोमवार सुबह से धूप निकलने के बाद मौसम साफ बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले सात दिनों तक प्रदेश में बारिश होने की संभावना नहीं है। धूप के कारण दिन के तापमान में बढ़ोतरी होगी, जबकि रात के तापमान में गिरावट आने से ठंडक का अहसास बढ़ेगा।

अनुमान है कि अधिकतम तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है। वहीं, रात का पारा दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। ऐसे में दोपहर में मौसम अपेक्षाकृत गर्म, जबकि सुबह और रात में हल्की ठंडक महसूस होगी।

प्रदेश में बारिश थमने के संकेत मिलने के बावजूद कई जिलों में बाढ़ का असर बना हुआ है। लखनऊ में गोमती नदी का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन प्रभावित इलाकों में कीचड़, कचरे और दुर्गंध से लोगों को परेशानी हो रही है। सीतापुर में खेतों में पानी भरा

दिन में बढ़ेगी गर्मी और रात में ठंडक

धूप निकलने से चढ़ेगा दिन का पारा

बाढ़ प्रभावित इलाकों में अब भी परेशानी

होने से धान की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

प्रयागराज के झुंसी क्षेत्र में गंगा के बीच स्थित करीब 20 साल पुराना तीन मंजिला आश्रम ढह गया। मलबे में तीन लोगों के दबने की सूचना मिली, जिनमें से दो को बचा लिया गया। तीसरे व्यक्ति की तलाश जारी होने की जानकारी दी गई है। मौसम में बदलाव के बीच लोगों को दिन और रात के तापमान में अंतर को देखते हुए सावधानी बरतने की जरूरत है। वहीं, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जलभराव और फसलों की स्थिति पर नजर बनी हुई है।

# एसएन मेडिकल कॉलेज में जांच शुल्क पर विवाद



**यूनिक समय, आगरा।** एसएन मेडिकल कॉलेज में रविवार रात खून की जांच के शुल्क को लेकर मरीज के तीमारदारों और सर्जरी विभाग की प्रयोगशाला के कर्मचारियों के बीच विवाद हो गया। तीमारदारों ने कर्मचारियों पर मारपीट करने और दो मोबाइल तोड़ने का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच की। कॉलेज प्रशासन ने भी जांच कराने की बात कही है।

पथवारी निवासी सुधांशु कठेरिया के अनुसार, उनके फूफा वीरेंद्र सिंह रेल हादसे में दोनों पैर गंवा चुके हैं और एसएन मेडिकल कॉलेज की नई सर्जरी इमारत में भर्ती हैं। रविवार रात चिकित्सक ने खून की जांच कराने को कहा। सुधांशु अपने फुफेरे भाई अंकित के साथ नमूना लेकर दूसरी मंजिल स्थित प्रयोगशाला पहुंचे, जहां जांच के लिए 265 रुपये मांगे गए।

तीमारदार से मारपीट का आरोप, मोबाइल तोड़ने की शिकायत, कॉलेज प्रशासन ने बैठाई जांच

सुधांशु का आरोप है कि जांच शुल्क के बारे में पूछने पर कर्मचारी ने अभद्रता की। भुगतान करने के बाद उन्होंने मोबाइल से वीडियो और तस्वीरें बनाईं तो कर्मचारियों ने मोबाइल छीनकर तोड़ दिया। इसके बाद उनके और अंकित के साथ मारपीट किए जाने का आरोप है। उन्होंने आपात पुलिस सेवा पर सूचना दी। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि प्रमुख अधीक्षक को मामले की जांच सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शिकायत और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# ऑटो में यात्री के आठ हजार रुपये चोरी, पकड़ा गया आरोपी

**यूनिक समय, अलीगढ़।** अलीगढ़ के करसी क्षेत्र में ऑटो रिक्शा में सफर कर रहे यात्री के पर्स से आठ हजार रुपये चोरी करने का मामला सामने आया है। रुपये गायब होने का पता चलते ही यात्री ने शोर मचा दिया। भागने की कोशिश कर रहे युवक को आसपास मौजूद लोगों ने पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

भरत सिंह ने पुलिस को बताया कि 18 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:20 बजे वह अपने भाई तेजवीर सिंह के साथ ऑटो रिक्शा में सवार होकर फूलवारी गेस्ट हाउस से मामू भौंजा बाजार जा रहे थे। देवत्रय अस्पताल के पास उनके बराबर पर्स से आठ हजार रुपये उनके पर्स से आठ हजार रुपये निकाल लिए। बैग में हलचल महसूस होने पर भरत सिंह ने रुपये देखे तो चोरी का पता चला। पीड़ित के शोर मचाने पर



अस्पताल के पास पर्स से निकाले रुपये

तलाशी में मिले पांच सौ के सोलह नोट

युवक भागने लगा, लेकिन लोगों ने उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से पांच सौ रुपये के 16 नोट मिले। पीड़ित ने नकदी को अपना बताया। आरोपी की पहचान उमरदराज (35), निवासी देहली गेट क्षेत्र, अलीगढ़ के रूप में हुई है। शिकायत मिलने के बाद क्वारंटीन पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी को सोमवार को जेल भेजा जाएगा।

# सीएम योगी ने कन्याओं के पांव पखारकर किया पूजन

**यूनिक समय, गोरखपुर।** शारदीय नवरात्र की महानवमी पर सोमवार को उत्तर प्रदेश के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कन्या पूजन कर मातृशक्ति के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने कन्याओं के पैर धोए, तिलक लगाया और चुनरी ओढ़ाकर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद अपने हाथों से भोजन परोसा और उपहार व दक्षिणा भेंट की।

मुख्यमंत्री ने मंदिर के शक्तिपीठ में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने कहा कि नारी की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करना समाज की जिम्मेदारी है। सरकार महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और स्वावलंबन को प्राथमिकता दे रही है। मिर्जापुर स्थित मां



विंध्यवासिनी धाम में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। मुख्यमंत्री के अनुसार, यहां लाखों भक्तों ने दर्शन किए।

वाराणसी के प्राचीन सिद्धमाता मंदिर और जौनपुर के चौकियां धाम में भी

भक्तों की भीड़ रही। प्रदेश के दूसरे शक्तिपीठों में भी सुबह से पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। योगी आदित्यनाथ ने कन्या पूजन को सनातन परंपरा में मातृशक्ति के सम्मान का प्रतीक बताया। उन्होंने महिलाओं की

चुनरी ओढ़ाकर परोसा भोजन

गोरखनाथ मंदिर में महानवमी पर निभाई परंपरा

मां विंध्यवासिनी धाम में उमड़े लाखों श्रद्धालु

शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। महानवमी पर मंदिरों में हुए अनुष्ठानों के बीच श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की।

# आगरा में खेरिया पुल बंद होते ही शाहगंज बाजार में जाम



**यूनिक समय, आगरा।** ईदगाह-खेरिया रेलवे ओवरब्रिज बंद होने से आगरा के शाहगंज बाजार में यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है। पुल की मरम्मत के चलते वाहन चालकों को दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा है। अर्जुन नगर से नामनेर और कलेक्ट्रेट जाने वाले लोगों को करीब चार किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। इससे बाजार में वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं और व्यापारियों के साथ ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ रही है।

रई की मंडी-शाहगंज रेलवे पुल को शनिवार से मरम्मत के लिए बंद किया गया है। यहां करीब 90 दिन तक काम चलेगा। खेरिया से ईदगाह, नामनेर और एमजी रोड जाने वाले वाहन अब रई की मंडी फाटक और छउआ का नगला होकर निकल रहे हैं। कलेक्ट्रेट जाने वाले वाहनों का दबाव भी शाहगंज बाजार पर बढ़ गया है।

जाम से निपटने के लिए यातायात पुलिस ने 12 यातायात उपनिरीक्षक और 40 सिपाही तैनात किए हैं। थाना

90 दिन तक चलेगा मरम्मत कार्य

रास्ता बदलने से लोगों को लगाना पड़ रहा लंबा चक्कर

पुलिस के 30 कर्मचारी भी व्यवस्था संभाल रहे हैं। बैरिकेडिंग और अस्थायी डिवाइडर लगाकर वाहनों को अलग-अलग दिशा में निकाला जा रहा है। ऑटो और ई-रिक्शा को कुछ रास्तों से बाजार में आने से रोका जा रहा है, फिर भी चार पहिया वाहनों के दबाव से जाम लग रहा है।

पुल पर बैरिकेडिंग होने के कारण कुछ पैदल यात्री रेलवे ट्रैक पार करके ईदगाह की ओर जा रहे हैं। इससे ट्रेन आने पर हादसे का खतरा बना हुआ है। एडीसीपी यातायात अलका सिंह के मुताबिक, संकरे रास्तों पर बैरिकेडिंग लगाकर यातायात नियंत्रित किया जा रहा है। रेलवे से 40 अतिरिक्त मार्शल तैनात करने का अनुरोध किया गया है।

# भारत-यूएस ट्रेड डील पर मार्को रुबियो का बड़ा बयान

जयशंकर से मुंबई में होगी मुलाकात

रूस से तेल-गैस खरीद और प्रतिबंधों में छूट के मुद्दे पर भी दी प्रतिक्रिया

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि दोनों देश ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि समझौते को जल्द ही फाइनल किया जा सकता है। रुबियो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब वह भारत के दौरे पर आने वाले हैं और 20 अक्टूबर को मुंबई में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ मुलाकात करेंगे। इस बैठक में दोनों



देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। रुबियो ने भारत दौरे से पहले कहा कि अमेरिका इस समय भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है और दोनों पक्ष इसके काफी करीब हैं।

उनके बयान से संकेत मिलता है कि लंबे समय से चल रही बातचीत में प्रगति हुई है। हालांकि, समझौते को

अंतिम मंजूरी कब मिलेगी और इसकी शर्तें क्या होंगी, इसे लेकर अभी कोई आधिकारिक समयसीमा घोषित नहीं की गई है। रूस से तेल और गैस खरीदने के मुद्दे पर भी अमेरिकी विदेश मंत्री ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में अमेरिका को कुछ प्रतिबंधों में छूट देनी पड़ी, क्योंकि उनका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों पर पड़ रहा था। रुबियो के मुताबिक, ऐसे

फैसले लेते समय कई पहलुओं के बीच संतुलन बनाना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े फैसलों में राष्ट्रपति को ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति पर पड़ने वाले प्रभावों को भी ध्यान में रखना पड़ता है। उनका यह बयान रूस से ऊर्जा खरीद और उस पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर जारी अंतरराष्ट्रीय बहस के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के पहले चरण में कुछ मुद्दे अब भी चुनौती बने हुए हैं। इनमें डेयरी क्षेत्र तक अमेरिकी कंपनियों की पहुंच एक प्रमुख मुद्दा बताया जा रहा है। अमेरिका भारत के डेयरी बाजार में अधिक अवसर चाहता है, जबकि भारत इस क्षेत्र में अपनी शर्तों और घरेलू हितों को लेकर सतर्क रहा है। ऐसे में दोनों देशों के बीच बातचीत के दौरान इस मुद्दे पर सहमति बनाना महत्वपूर्ण होगा।

## डॉ. ढाल सिंह बिसेन बने उत्तराखंड के नए राज्यपाल



लोकभवन में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

मध्य प्रदेश की राजनीति में चार बार विधायक और एक बार सांसद रह चुके हैं बिसेन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देहरादून में सोमवार को डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने उत्तराखंड के नए राज्यपाल के रूप में शपथ ली। लोकभवन में आयोजित समारोह में राज्य के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले मुख्य सचिव आनंद वर्धन ने राष्ट्रपति की ओर से जारी नियुक्ति का अधिपत्र पढ़ा। डॉ. बिसेन ने

लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) का स्थान लिया है, जो पांच साल से अधिक समय तक राज्यपाल रहे। डॉ. ढाल सिंह बिसेन का जन्म 14 मई 1952 को मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के पिपरिया में हुआ था। पेशे से चिकित्सक और कृषक बिसेन लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हैं। वह 1990 से 2008 के बीच चार बार मध्य प्रदेश विधानसभा के सदस्य चुने गए। इस दौरान उन्होंने वन, परिवहन एवं खनिज, स्कूल शिक्षा और जेल विभागों में कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाली। मई 2019 में वह 17वीं लोकसभा के लिए सांसद चुने गए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 अक्टूबर को उत्तराखंड समेत छह राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति की थी। देहरादून पहुंचने पर रविवार शाम जॉर्जी ग्रांट एयरपोर्ट पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

## जयपुर में ओले गिरे, एमपी के 11 जिलों में बारिश

केदारनाथ-बद्रीनाथ में पारा माइनस में पहुंचा

चेन्नई और कोयंबटूर में जलभराव से जनजीवन प्रभावित

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से जयपुर और अजमेर समेत कई इलाकों में रविवार को बारिश हुई। जयपुर में ओले भी गिरे, जबकि टोंक जिले की नगरफोर्ट तहसील के कई गांवों में करीब दो घंटे तक रुक-रुककर बारिश होती रही। मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान इंदौर और उज्जैन समेत 11 जिलों में बारिश दर्ज की गई। बड़वानी में बारिश के कारण धान की फसल भीग गई। वहीं, उत्तराखंड में ठंड बढ़ने लगी है।



केदारनाथ और बद्रीनाथ में तापमान माइनस में पहुंच गया है, जबकि मसूरी और नैनीताल में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के मनाली में बर्फबारी शुरू होने से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है और सड़कों पर जाम की स्थिति देखने को मिली। दूसरी ओर, तमिलनाडु के चेन्नई और कोयंबटूर में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित हुआ। मौसम विभाग ने कोयंबटूर और चेन्नई में आगे भी भारी बारिश की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

## अमेरिका में 170 फीट की ऊंचाई से गिरकर सैनिक की मौत

स्टेडियम में 23 हजार दर्शकों के सामने कर रहा था रस्सी से उतरने का प्रदर्शन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अमेरिका के टेक्सास स्थित सैन एंटेनियो में एक दर्दनाक हादसे में सैनिक की मौत हो गई। शनिवार को अलामोडोमो स्टेडियम में फुटबॉल मैच से पहले सैनिक रस्सी के सहारे करीब 170 फीट की ऊंचाई से नीचे उतरने का प्रदर्शन कर रहा था। इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह तेजी से जमीन पर गिर पड़ा। हादसे के समय स्टेडियम में 23 हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। सैनिक की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। हादसे के बाद मैदान पर करीब 10 मिनट तक सैनिक को प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें



सैनिक रस्सी के सहारे नीचे उतरते समय नियंत्रण खोता नजर आ रहा है। अधिकारियों ने हादसे की जांच शुरू कर दी है, ताकि दुर्घटना की असली वजह का पता लगाया जा सके। यह कार्यक्रम सेना में वर्तमान और पूर्व में सेवा दे चुके जवानों के सम्मान में आयोजित किया गया था। इस प्रदर्शन में सैनिक के अलावा तीन अन्य सैन्यकर्मियों को भी हिस्सा लेना था। ऐसे सैन्य अभ्यास में जवानों को ऊंचाई से रस्सी के सहारे तेजी से नीचे उतरने की ट्रेनिंग दी जाती है। इसका उद्देश्य उन्हें आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित और तेजी से उतरने के लिए तैयार करना है।

## आशुतोष-सौरव की जमानत पर विवाद, जज को धमकी

सीजेपी ने लगाया रिहाई में देरी का आरोप

धमकी मामले में एफआईआर दर्ज, दोनों नेता तिहाड़ जेल में बंद

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** नई दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं आशुतोष रांका और सौरव दास की जमानत के मामले में नया विवाद सामने आया है। जमानत पर सुनवाई कर रहे स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट को कथित तौर पर धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हालांकि, धमकी देने वाले की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। दूसरी ओर, सीजेपी ने आरोप लगाया है कि दोनों



नेताओं की रिहाई में जानबूझकर देरी की जा रही है। आशुतोष और सौरव 14 अक्टूबर से तिहाड़ जेल में बंद हैं और सोमवार को उन्हें मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में पेश किए जाने की संभावना है। सीजेपी की लीगल हेड रत्ना सिंह के मुताबिक, रविवार को जमानत पर सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट और सरकारी वकील दोपहर 12 बजे

से इंतजार के बाद शाम करीब 5:30 बजे पहुंचे। पार्टी का आरोप है कि दोनों नेताओं की जमानत पर सुनवाई करने के बजाय मजिस्ट्रेट को मिले धमकी भरे संदेश पर चर्चा की गई। रत्ना सिंह ने सवाल उठाया कि इस संदेश का आशुतोष और सौरव की जमानत से क्या संबंध है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने संदेश भेजने वाले की

पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इस मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया गया है। पार्टी ने जमानत प्रक्रिया में भी देरी का आरोप लगाया है। सीजेपी के मुताबिक, जमानतदारों के दस्तावेजों की जांच में देर की गई और चार जमानतदारों को स्पष्ट कारण बताए बिना खारिज कर दिया गया। बैंक की मुहर वाली फिक्स्ड डिपॉजिट रसीद को दोबारा मंजूरी के लिए पेश करने पर भी पार्टी ने सवाल उठाए। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि दोनों नेताओं को जेल में रखने के लिए जमानत प्रक्रिया में बाधाएं पैदा की जा रही हैं। आशुतोष और सौरव को 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर तिरंगा लेकर प्रदर्शन करने के दौरान हिरासत में लिया गया था।

## लास वेगास एयरपोर्ट पर रनवे से फिसला प्राइवेट जेट

बाउंड्री से टकराया विमान

दो रनवे बंद, हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** अमेरिका के लास वेगास स्थित हैरी रीड इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा होते-होते बच गया। उड़ान भरने की कोशिश के दौरान एक प्राइवेट जेट रनवे से फिसलकर आगे निकल गया और एयरपोर्ट की बाहरी बाउंड्री से टकरा गया। हालांकि, इस दुर्घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। एयरपोर्ट प्रशासन ने घटना की पुष्टि की है। अधिकारियों के मुताबिक, हादसा रविवार सुबह करीब 11 बजे स्थानीय समय पर हुआ। दुर्घटनाग्रस्त विमान की पहचान डर्सेल्ट फाल्कन 50 के रूप में हुई है। बताया गया है कि विमान



रनवे से उड़ान भरने की कोशिश कर रहा था, तभी वह रनवे के अंतिम छोर से आगे निकल गया और बाउंड्री से जा टकराया। फ्लिहाल हादसे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद सुरक्षा और निरीक्षण के लिए एयरपोर्ट के दो रनवे बंद कर दिए गए। वहीं, संघीय विमानन प्रशासन (TSA) ने निर्धारित उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया, जिससे हवाई यातायात प्रभावित हुआ और उड़ानों में देरी हुई। अधिकारियों ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। लास वेगास एयरपोर्ट अमेरिका के प्रमुख हवाई अड्डों में शामिल है, जहां हर साल बड़ी संख्या में यात्री पहुंचते हैं।

## चर्च में पादरी पर गिरा भारी क्रॉस, मौत

प्रार्थना का लाइव प्रसारण बना हादसे का गवाह

कुछ मिनट पहले कहा था एक दिन हम सबको मरना है

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर में चर्च में प्रार्थना के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। यहां प्रवचन दे रहे पादरी के ऊपर दीवार पर लगा लकड़ी का भारी क्रॉस गिर गया, जिससे उनकी मौत हो गई। यह पूरी घटना चर्च में चल रहे ऑनलाइन प्रसारण के दौरान कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। हादसा 17 अक्टूबर को तटीय शहर ग्वायाकिल के आकर लेडी ऑफ परपेचुअल हेल्प चर्च में हुआ। मृतक पादरी की पहचान फादर पैट्रिसियो अल्फ्रेडो सांचेज मोलीनारी के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, फादर पैट्रिसियो चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान उपदेश दे रहे थे। इसी बीच दीवार पर लगा बड़ा क्रॉस



और उसके साथ ईसा मसीह की मूर्ति अचानक उनके ऊपर गिर गई। क्रॉस के नीचे दबने से उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। घटना के तुरंत बाद चर्च में मौजूद लोग उनकी मदद के लिए पहुंचे। इमरजेंसी मेडिकल स्टाफ ने भी उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। चर्च प्रशासन के मुताबिक, क्रॉस गिरने की असली वजह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, दीवार पर उसे टिकाने वाले माउंटिंग फिक्स्चर में खराबी की आशंका जताई गई है। स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि पता लगाया जा सके कि इतना भारी क्रॉस अचानक कैसे गिरा।

# बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान झड़पें, व्यवस्था पर सवाल

दर्शन को ठहराव से बिगड़ती व्यवस्था, आगे बढ़ाने पर होता है विवाद

श्रद्धालुओं-सुरक्षाकर्मियों में मारपीट के वीडियो आए दिन होते हैं प्रसारित

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच विवाद थम नहीं रहे हैं। कभी आगे बढ़ने को लेकर तो कभी प्रवेश व्यवस्था के दौरान कहासुनी मारपीट तक पहुंच रही है। सोमवार को भी मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और सुरक्षाकर्मियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। लगातार सामने आ रही घटनाओं ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं के साथ व्यवहार पर



बांकेबिहारी मंदिर के अंदर लगी रैलिंग के किनारों पर पीली टी शर्ट में खड़े सुरक्षाकर्मी।

सवाल खड़े कर दिए हैं।

सुरक्षाकर्मियों के अनुसार, दर्शन के दौरान कुछ श्रद्धालु एक स्थान पर रुक जाते हैं और आगे नहीं बढ़ते। इससे पीछे आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होने लगती है। भीड़ का दबाव बढ़ने पर सुरक्षाकर्मी लोगों को आगे बढ़ने के लिए कहते हैं। इसी दौरान कई

पहले भी सामने आ चुकी हैं झड़प की घटनाएं

बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं और सुरक्षा गाड़ों के बीच विवाद का यह पहला मामला नहीं है। सितंबर में भी विवाद के बाद मारपीट की घटना चर्चा में रही थी। बार-बार ऐसी घटनाएं सामने आने से मंदिर की भीड़ प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन के लिए वृंदावन पहुंचते हैं। ऐसे में दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना बड़ी चुनौती है।

संयम और सहयोग से टल सकते हैं विवाद

दर्शन के दौरान भीड़ का दबाव कम करने के लिए प्रभावी प्रबंधन के साथ स्पष्ट दिशा-निर्देश जरूरी हैं। सुरक्षाकर्मियों से संयमित व्यवहार की अपेक्षा है, वहीं श्रद्धालुओं को भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। विवाद की स्थिति में तत्काल हस्तक्षेप और शिकायतों पर उचित कार्रवाई से ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को सहज और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिले, इसके लिए व्यवस्था में सुधार जरूरी है। हाई पावर्ड कमेटी इस ओर बेहतर काम नहीं कर सकी है।

बार कहासुनी शुरू हो जाती है। आरोप है कि कुछ श्रद्धालु विरोध करते हुए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगते हैं, जिससे विवाद बढ़ जाता है। वहीं,

श्रद्धालुओं का कहना है कि सुरक्षा में लगे कर्मचारी रैलिंग के किनारों पर खड़े होते हैं, जिससे महिलाओं को दिक्कत होती है।

## ऐरावत कुंड पर 270 स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान



स्वच्छता को लेकर ऐरावत कुंड पर नुकड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करते स्वयं सेवक।

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के लिए गोवर्धन स्थित ऐरावत कुंड पर 'ब्रज वैभव अभियान' के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, नगर निगम और हार्टफुलनेस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में करीब 270 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने ऐरावत कुंड और उसके आसपास के क्षेत्र में सफाई कर कचरा एकत्र किया। साथ ही नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों

नुकड़ नाटक से लोगों को दिया स्वच्छता का संदेश

ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने को कहा। अभियान में मथुरा, आगरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, मेरठ, गुरुग्राम, भरतपुर, डीग, इगलास, कान्हा, खैर, हाथरस, टप्पल, सरसा, जयपुर, कोटा, अभैदोपुरा, सवाई माधोपुर, भोपाल, हैदराबाद, राजगढ़, अलवर और बहज सहित विभिन्न केंद्रों से आए अभ्यासी-स्वयंसेवक शामिल हुए।

## बारिश में धड़ाम हुए धान के भाव, अब आया उछाल

मंडी में हाथ से कटाई वाला धान 4301 रुपये क्विंटल पहुंचा

तीन दिन में बदले बाजार के तेवर, किसानों को मिली राहत

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के दौरान मंडी में धान के गिरे भाव अब फिर चढ़ने लगे हैं। तीन दिन पहले तक कीमतों में आई गिरावट से परेशान किसानों को अब राहत मिली है। हाथ से कटाई वाले धान का भाव 4100 रुपये से उछलकर 4301 रुपये प्रति क्विंटल पहुंच गया है। वहीं, कंबाइन से कटाई वाले धान ने भी तेजी पकड़ी है। इसका भाव 3750 रुपये से बढ़कर 4001 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है।

मंडी में धान के भाव में आई तेजी ने बाजार का रुख बदल दिया है। हाथ से कटाई वाले धान की कीमत में 201 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है, जबकि कंबाइन से कटाई वाले धान के



भाव 251 रुपये चढ़े हैं। बारिश के दौरान कीमतें गिरने से किसानों को लागत निकालने और उपज का उचित मूल्य मिलने की चिंता सता रही थी। अब भाव में आए उछाल से उन्हें कुछ राहत मिली है।

धान की खेती में बीज, खाद, सिंचाई, मजदूरी और कटाई पर किसानों को अच्छी-खासी रकम खर्च करनी पड़ती है। ऐसे में मंडी के भाव में मामूली गिरावट भी उनकी कमाई पर असर डालती है। तीन दिन पहले कीमतें नीचे आने से किसानों की उम्मीदों को झटका लगा था, लेकिन अब बढ़े भाव ने कुछ भरपाई की उम्मीद जगाई है। किसान फिलहाल मंडी के रुख पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि उपज बेचने का सही समय तय कर सकें। धान की किस्म, गुणवत्ता और कटाई के तरीके के अनुसार भाव में अंतर बना हुआ है।



### उठावनी

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती वन्दना मेहता जी** का आकस्मिक निधन दिनांक 18.10.26 को हो गया है। जिनकी उठावनी आज दिनांक 20.10.26 दिन मंगलवार को महिला एवं पुरुषों की दोपहर 12 से 1 बजे तक स्थान **मिर्चौवाली धर्मशाला कृष्णा नगर मथुरा** पर होगी।

स्व. श्रीमती वन्दना मेहता

शोकाकुल- राजेश मेहता (पति) श्रीमती सुरेंद्र जुनेजा (माताजी)

डा राकेश-डॉ. गीतामेहता (जेठ-जेठानी) राजीव-कुसुम मेहता

(देवर-देवरानी) डॉ. विनायक-विपाशा (पुत्र-पुत्री)

फर्म:-

•मेहता हॉस्पिटल •मेहता इग्स एंड सर्जिकल मो.8971055838

•वन्दना मेडिकल एजेंसी •वृंदा पेथोलोजी कृष्णा नगर मथुरा



### एकादशी

ब्रज की रज में रज मिलें, मिलें यमुना को नीर। तुलसी ते नर धन्य हैं, जे ब्रज में तजे शरीर।।

बड़े दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे परम पूज्य पिताजी आदरणीय स्व. श्री हरदेव प्रसाद जी पाठक (हरें गुरु) का निधन दिनांक 10.10.26 शनिवार को हो गया है, एकादशी (उठावनी) दिनांक 20.10.26 मंगलवार को होगा। स्थान:- धुवघाट से चलकर विश्राम घाट, समय:- सायं 4 बजे

स्व. श्री हरदेव प्रसाद पाठक

कपिलदेव, अशोक, उद्धव पाठक (एडो) (पुत्रगण)

सुखदेव, बलदेव पाठक (भतीजे) संदीप, अनमोल, चिराग, तिलक पाठक (नाती)

एवं समस्त गोपाल जी खुनखुन जी छः भाई परिवार।

आपकी स्मृतियां हमारे हृदय में सदा जीवित रहेंगी।

आपका स्नेह, मार्गदर्शन और आशीर्वाद सदैव हमारे साथ रहेगा।

## रिफाइनरी पुलिस और रिवार्ड्ड टीम की बदमाशों से मुठभेड़



यूनिक समय, मथुरा। थाना रिफाइनरी पुलिस और रिवार्ड्ड टीम की बीती रात रेलवे स्टेशन जाने वाले कच्चे रास्ते के समीप बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैरों में गोली लगी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। आरोपियों की कार से चोरी का माल, नकदी, तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं।

सीओ रिफाइनरी प्रवीण तिवारी ने बताया कि कृष्णा कुंज कार्लोनी में 10-11 अक्टूबर की रात हुई चोरी की वारदात के आरोपियों की तलाश की जा रही थी। बीती रात पुलिस और रिवार्ड्ड टीम क्षेत्र में

जवाबी फायरिंग में दो अंतर्जनपदीय बदमाश घायल, गिरफ्तार

कार से तमंचे, कारतूस चोरी का माल और 99,500 रुपये बरामद

गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि बदमाश चोरी के इरादे से इलाके में आए हैं।

पुलिस ने रेलवे स्टेशन जाने वाले कच्चे रास्ते के पास घेराबंदी की। तभी एक कार आती दिखाई दी। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो कार सवारों ने फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान लालू उर्फ साहिल और सुधीर कुमार निवासी गांव खितौरा थाना बकेवर जिला इटावा के रूप में हुई है। कार की तलाशी में दो बैटरी, एक गैस सिलेंडर, दो देशी तमंचे, कारतूस और 99,500 रुपये बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं।

## लक्खा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु, जयकारों से गुंजा पंडाल



लक्खा के भजनों पर नृत्य करती महिलाएं और युवतियां।

यूनिक समय, मथुरा। श्री श्री शारदीय दुर्गा पूजा महोत्सव के अंतर्गत सप्तमी पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। सुबह मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। दोपहर में महाप्रसादी वितरित की गई।

बच्चों और बड़ों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं, जिनमें प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया।

रात में पारंपरिक ढाक की धुनों और धुनुची नृत्य के बीच मां दुर्गा की भव्य आरती हुई। इसके बाद मुंबई से आए

सुप्रसिद्ध भजन गायक लखवीर सिंह लक्खा ने मां भगवती के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। उनके भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूजा पंडाल मां दुर्गा के जयकारों से गुंज उठा।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, जीएलए यूनिवर्सिटी के सीएफओ-एनके ग्रुप के एमडी विवेक अग्रवाल, श्री डिवाइन ग्रुप के शेखर अग्रवाल, मन्नत ग्रुप के रितेश अग्रवाल, राधिका स्वीट्स के अरविंद चौधरी, समृद्धि ज्वेलरी के लोकेश गर्ग, कान्हा माखन पब्लिक स्कूल के शुभम अग्रवाल और मयंक गौतम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा समिति के सदस्य दर्श साहा (राधा रानी मिठाई वाले) और अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

आयोजन में समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सहभागिता रही। पूजा, भक्ति और सांस्कृतिक परंपराओं के संगम ने सप्तमी उत्सव को यादगार बना दिया।

## वोट की ताकत दिखाने गांव गली में उतरेगी कांग्रेस

यूनिक समय, मथुरा। मताधिकार की रक्षा और मतदाता सूची में पारदर्शिता की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ब्लॉक स्तर पर पदयात्रा निकालेगी।

जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में प्रस्तावित इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता गांव-गांव और गली-गली पहुंचकर लोगों को उनके मताधिकार के प्रति जागरूक करेंगे। पार्टी का कहना है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र मतदाता का वोट सुरक्षित रहना जरूरी है। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने बताया कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से मतदाता सूची से नहीं हटना चाहिए और न ही किसी अपात्र व्यक्ति का नाम अनुचित रूप से शामिल होना चाहिए।

मतदाता सूची में पारदर्शिता के लिए ब्लॉक स्तर पर पदयात्रा

पदयात्रा के दौरान लोगों को मतदाता सूची की जांच करने और गड़बड़ी मिलने पर संबंधित अधिकारियों तक शिकायत पहुंचाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में होने वाली पदयात्रा के जरिए पार्टी चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि अभियान का उद्देश्य लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना और संविधान के प्रति लोगों को जागरूक करना है।